खबर संक्षेप

गरिमा ने प्रथम अवसर में ही उत्तीर्ण की आईसीए आई की परीक्षा

मण्डला। 26 दिसंबर 2024 आईसीए आई के द्वारा घोषित परीक्षा परिणाम में जिले की छात्रा कुमारी स्तुति चौरसिया ने सीए फाइनल परीक्षा को प्रथम अवसर में ही उत्तीर्ण कर अपने माता-पिता के साथ जिले का नाम रोशन किया है स्तुति ने परीक्षा में 600 में से 384 अंक प्राप्त किया है स्तुति शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय महाराजपुर में पदस्थ श्री रविंद्र कुमार चौरसिया एवं श्रीमती शशि किरण चौरसिया के सुपुत्री हैं विदित हो की होनहार स्तुति ने 12वीं में केंद्रीय परीक्षा बोर्ड में कॉमर्स संकाय में जिले में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था और उस समय उन्होंने सीए बनने का संकल्प लिया था जो आज उन्होंने कर दिखाया है स्तुति को उनके माता-पिता दादी और सभी संबंधित रिश्तेदार और मित्र गणों ने साधुवाद ज्ञापित किया।

जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक 3 जनवरी को होगी

मण्डला। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अध्यक्षता में जिला स्तरीय वनाधिकार समिति की बैठक 3 जनवरी 2025 को शाम 5 बजे गोलमेज कक्ष कलेक्ट्रेट में आयोजित की जा रही है। बैठक में वनग्रामों में सामुदायिक वनाधिकार दावों का पूर्ण विनिश्यन करने हेतु प्राप्त प्रकरणों पर निर्णय लिया जायेगा।

संलग्नीकरण पर आयुक्त जनजाति कार्य विभाग के आदेश की उड़ाई जा रही धज्जियां

शिक्षा विभाग के अधिकारियों की भूमिका संदेहास्पद

* उच्चाधिकारियों को दी जा रही गलत जानकारी।

हरिभूमि न्यूज >> मण्डला

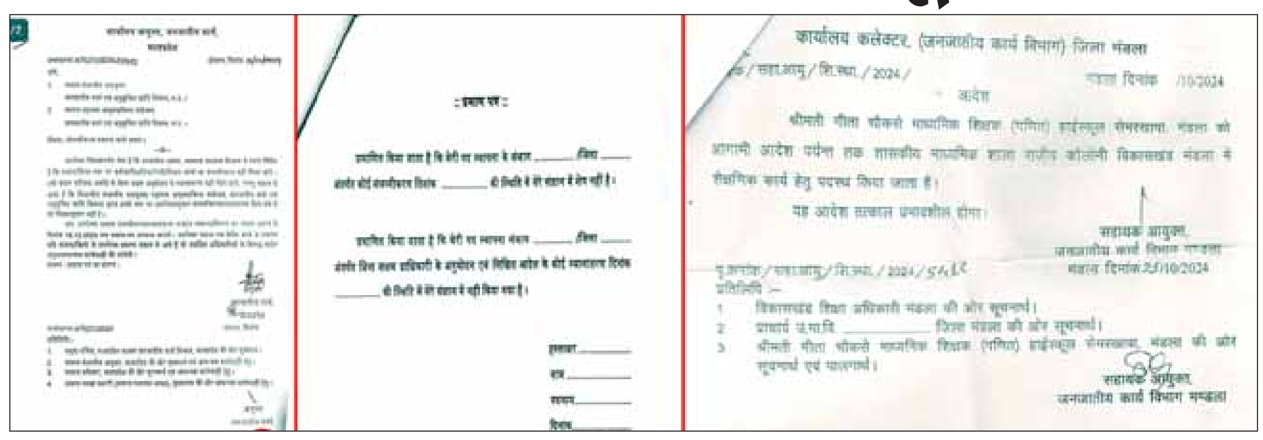

जिले की शिक्षा व्यवस्था में लगातार गिरावट के कारण विभागीय अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठने लगे हैं। विशेष रूप से संलग्नीकरण और स्थानांतरण के मामले में जो खेल चल रहा है, वह किसी से छुपा नहीं है। इसके बावजूद जिले के जनप्रतिनिधियों की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए, जिससे यह भी संकेत मिलता है कि यह सब एक सुनियोजित खेल का हिस्सा हो सकता है। ऐसे में यह सवाल उठता है कि क्या जिले के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के बीच इस मुद्दे पर मिलीभगत चल रही है?

आयुक्त जनजाति कार्य विभाग का आदेश

कार्यालय आयुक्त जनजाति कार्य विभाग भोपाल द्वारा पत्र क्रमांक/स्था.4/टी (27)/2024/ 23422 भोपाल, दिनांक 10/12/2024 को प्रदेश के समस्त उपायुक्त, सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग को जारी कर संलग्नीकरण समाप्त करने को आदेशित किया गया है जिसमें यह उल्लेख कि मध्यप्रदेश शासन, सामान्य प्रशासन विभाग के स्पष्ट निर्देश है कि संभाग/जिला स्तर पर कर्मचारी/अधिकारियों/शिक्षक संवर्ग का संलग्नीकरण नहीं किया जाये। इसी प्रकार प्रतिबंध अवधि में बिना सक्षम अनुमोदन के स्थानांतरण नहीं किये जायें, परन्तु संज्ञान में आया है कि विभागीय संभागीय उपायुक्त/ सहायक आयुक्त/जिला संयोजक, जनजातीय कार्य एवं अनुसूचित जाति विकास द्वारा अपने स्तर पर उपरोक्तानुसार संलग्नीकरण/ स्थानांतरण किये गये हैं जो नियमानुसार नहीं हैं। अतः उपरोक्त समस्त संलग्नीकरण/स्थानांतरण तत्काल समाप्त/निरस्त कर निर्धारित प्रारूप में दिनांक 16.12.2024 तक प्रमाण-पत्र उपलब्ध करावें। प्रमाण पत्र प्रेषित करने के उपरांत यदि संभाग/जिलों में उपरोक्त प्रकरण संज्ञान में आते हैं तो संबंधित अधिकारियों के विरूद्ध कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जायेगी।

जिले में संलग्नीकरण और स्थानांतरण का खेल

आयुक्त के निर्देश पर मण्डला जिले के सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग द्वारा उक्त निर्देश का पालन किया गया या फिर पुरानी ही परपाटी से जिले की शिक्षा व्यवस्था का संचालन किया जा रहा और आयुक्त के निर्देश का पालन नही किया इस संबंध मे जिले की जनता के मन मे तरह तरह के सवाल उठ रहे हैं और जनचर्चा का विषय बना हुआ, जिसका जवाब केवल सहायक आयुक्त जनजाति कार्य विभाग से ही मिल सकता है। वहीं लोगों का कहना है वह जवाब सार्वजनिक किया जाना चाहिए, अगर नही किया जाता है तो यह मान लिया जायेगा की सहायक आयुक्त के सामने किसी की नही चल सकती?

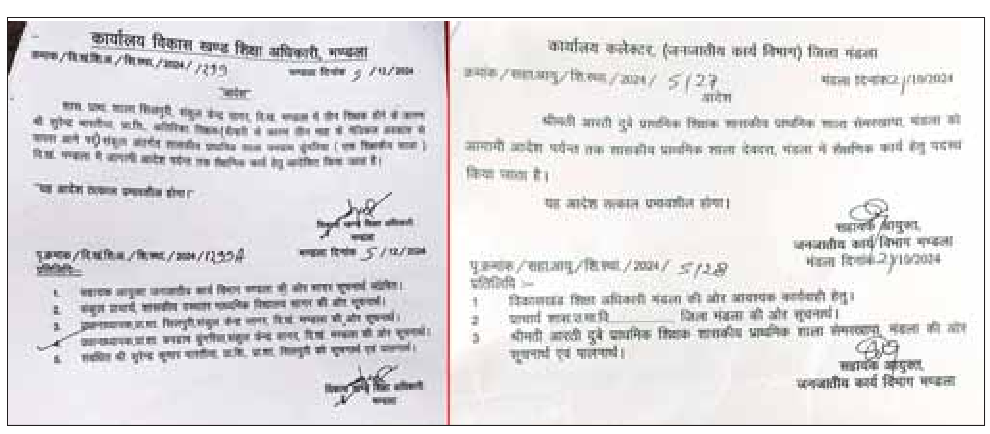

जिले की जनता में असंतोष का माहौल

जिले में इस मुद्दे को लेकर अभिभावकों के बीच असंतोष का माहौल बन गया है। नागरिकों का कहना है कि आयुक्त के आदेश का पालन न करके अधिकारियों ने जिले की शिक्षा व्यवस्था को और भी बत्तर बना दिया है। जिले के नागरिक इस सवाल का जवाब चाहते हैं कि आखिर क्यों विभागीय अधिकारियों ने आयुक्त के आदेश को नजरअंदाज किया। क्या इस मामले में किसी प्रकार की भ्रष्टाचार या मिलीभगत हो रही है? यदि आदेशों का पालन नहीं किया गया, तो क्या इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई की जाएगी?

जनता के सवाल

जिले की जनता का सबसे बड़ा सवाल यह है कि यदि अधिकारी नियमों का पालन नहीं करते और जनप्रतिनिधि कोई कदम नहीं उठाते, तो फिर इस पूरे मामले की जवाबदेही किसकी है? क्या इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई होगी? अगर कार्रवाई नहीं होती, तो यह साफ तौर पर संकेत होगा कि अधिकारियों के खिलाफ कोई भी कार्रवाई करना असंभव है। इस स्थिति में जिले की शिक्षा व्यवस्था और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं।

जिले में इस समय शिक्षा व्यवस्था के सुधार को लेकर गंभीर चिंता जताई जा रही है। अब यह देखना होगा कि क्या प्रशासन और जनप्रतिनिधि इस मामले में कोई ठोस कदम उठाएंगे या फिर यह मामला यूं ही लटकता रहेगा। शिक्षा व्यवस्था की स्थिति को लेकर जनप्रतिनिधियों को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी और अधिकारियों को भी जनहित में काम करने की आवश्यकता है। यदि इस दिशा में सुधार की कोशिशें शुरू होती हैं, तो शायद जिले की शिक्षा व्यवस्था में सुधार हो सकता है, लेकिन यदि ऐसा नहीं होता, तो यह मुद्दा आने वाले समय में और भी गंभीर बन सकता है।

यदि सत्ता पक्ष के नेता सहायक आयुक्त को संरक्षण दे रहे हैं तो ऐसी स्थिति में विपक्षी पद के नेताओं को इस मामले को विधानसभा तक ले जाना चाहिए और विधानसभा में प्रश्नों की बौछार कर संलग्नीकरण और नियम विरुद्ध हुए स्थानांतरणों को जग जाहिर करना अति आवश्यक है।

यात्री प्रतीक्षालय में लग रहा असामाजिक तत्वों का जमावड़ा

बम्हनीबंजर। बस स्टैंड पर स्थित यात्री प्रतीक्षालय में असमाजिक तत्व और शरारती लोगों का जमावड़ा लग रहा है। शाम होते ही यात्री प्रतीक्षालय गांजा शराब का अड्डा बन रहा है असमाजिक तत्व सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं प्रतीक्षालय में शाम के बाद यात्री नहीं बैठ पा रहे हैं इसको लेकर ध्यान नहीं दिया जा रहा है जिससे समस्या बनी हुई है जानकारी के मुताबिक बम्हनीबंजर बस स्टैंड में यात्रियों की सुविधा के लिए बस स्टैंड बनाया गया है शाम के बाद असामाजिक तत्व बैठ रहे हैं इसके बाद यहां शराब सिगरेट गंज समेत अन्य नशा किए जा रहे हैं सामाजिक तत्व यहां बैठकर उत्पात मचा रहे हैं जिससे बस स्टैंड का शाम के समय माहौल बदल जाता है यहां कोई यात्री प्रतीक्षालय नहीं जाता जिससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है लेकिन यहां कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है मांग की गई है कि नगर प्रशासन और पुलिस प्रशासन असामाजिक तत्वों पर कार्यवाही करें। प्रतीक्षालय को सुंदर बनाने के लिए स्टील ग्रिल और टाइल्स लगाई गई है लेकिन असमाजिक तत्वों ने कुछ दिन पहले उसे भी उखाड़ फेंका है इस तरह से यात्री प्रतीक्षालय असुरक्षित हो गया है इसके बावजूद भी इस पर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा पास असमाजिक तत्वों के द्वारा यात्री प्रतीक्षालय में हमेशा सरकारी संपत्ति की क्षति करते रहते है। बस स्टैंड परिसर पर दुकानदारों के द्वारा पूरे स्टैंड पर कब्जा कर लिया जाता है वहां के दुकानदारों के द्वारा बाहर तक दुकान लगाई जाती है जिसके कारण समस्या का सामना करना पड़ता है नगर परिषद इस और ध्यान नहीं दे रहा है।

धूमधाम प्रेमाभक्ति से मनाया बाबा ईश्वर शाह का अवतरण दिवस

* सुबह प्रभात फेरी में बड़ी संख्या में शामिल हुए आस्था प्रेमी।

हरिभूमि न्यूज >> मण्डला

हरे माधव परमार्थ सत्संग समिति कटनी शाखा मण्डला के द्वारा प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी सद्गुरु बाबा ईश्वर शाह जी का अवतरण दिवस धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम की श्रृंखला में सत्संग भवन में प्रातः सभी सदस्यों के द्वारा आरती, गुरु अरदास की गई,तपश्चात प्रभात फेरी निकाली गई, गुरु के वचनों, आदर्शों, उपदेशों के बैनर के साथ बच्चों ने उत्साह के साथ सहभागिता करते हुए भक्ति डांस करते हुए सुंदर प्रस्तुति दी। इसके साथ ही पुरुष एवं महिलाओं ने भी आयोजन को भक्तिमय बना दिया। प्रभात फेरी के आगे आगे फूल बरसाए गए। गुरु के जयकारों के साथ प्रभात फेरी हरे माधव सत्संग भवन सुभाष वार्ड से प्रारंभ होकर, चिलमन चौक, बढ़ चौराहा होते हुए अंबेडकर वार्ड स्थित श्री गुरुद्वारा साहिब में पहुंची, यहां दरबार में गुरु को दुशाला चढ़ाई गई, सामूहिक रूप से गुरु अरदास की गई और परिवारों की सुख शांति के लिए कामना की गई। इसके उपरांत प्रभात फेरी पड़ाव, दुर्गा मंदिर, होते हुए पुनः सुभाष वार्ड सत्संग भवन में विराम ली।

पौधारोपण के साथ पर्यावरण जागरूकता संदेश

समिति के सदस्यों ने बताया कि आयोजन की श्रृंखला में इससे पहले पर्यावरण संरक्षण हेतु हरे माधव ध्यान वाटिका धौ रा ना ला महाराजपुर में श्रम सेवक भाइयों ने सौ दिन की सेवा देकर अभी तक 135 पौधे रोपित किये हैं और उनका नियमित संरक्षण कर रहे हैं।

गुरुवाणी से मानव सेवा माधव सेवा का संदेश

आयोजन के अगले चरण में सायंकाल श्री गुरुद्वारा साहिब में हरे माधव सत्संग का आयोजन किया गया, इसमें सर्वप्रथम गुरु अरदास की गई, गुरु की भक्ति के भजन गाए, समिति के कृपा पात्र शिष्यों के द्वारा गुरु वाणी के माध्यम से प्रभु आराधना का सुखद संदेश दिया गया, आंतरिक अंधकार को दूर करने, दिव्य संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने के लिए सत्संग के आयोजन में मानव सेवा माधव सेवा को चरितार्थ करते हुए प्रवचन शामिल किए गए।

बाल संस्कार के बच्चों के द्वारा रंगारंग प्रस्तुति

आरती में बड़ी संख्या में धर्म आस्था प्रेमी शामिल हुए,कार्यक्रम के अगले चरण में हरे माधव रूहानी बाल संस्कार के बच्चों के द्वारा गुरु भक्ति गीतों पर रंगारंग प्रस्तुति दी गई एवं सभी दर्शकों का मन मोह लिया, सभी धर्म प्रेमियों के लिए लंगर का आयोजन किया गया जिसमें शामिल जनों ने प्रसादी ग्रहण की।

18 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ आरोपी को थाना कोतवाली पुलिस ने किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज >> मण्डला

ऑपरेशन क्लीन स्वीप के तहत मंडला पुलिस द्वारा पुरे जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं उनकी गतिविधियों में संलिप्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही के निर्देशों के तारतम्य में थाना कोतवाली पुलिस टीम के द्वारा अवैध मादक पदार्थ के क्रय–विक्रय व इनकी गतिविधियों में संलिप्त व्यक्तियो के संबंध मे प्राप्त सूचना पर कार्यवाही की जा रही है।

थाना कोतवाली टीम को दिनांक 26.12.2024 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि शिवम यादव उर्फ शिब्बू यादव नाम का युवक अवैध मादक पदार्थ स्मैक(ब्राउन सुगर) लेकर बेचने के लिये कटरा के पास सेमरखापा रोड़ पर खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम द्वारा उक्त सुचना पर कार्यवाही करते हुए आरोपी की घेराबंदी कर तलाशी लेकर उनके कब्जे से अवैध मादक पदार्थ ब्राउन शुगर 18 ग्राम (कीमत लगभग 40 हजार रू) जप्त कर गिरफ्तार किया जाकर आरोपी शिवम उर्फ शिब्बू पिता भोला प्रसाद यादव उम्र 25 वर्ष निवासी लालीपुर मण्डला के विरूद्ध थाना कोतवाली मण्डला में एनडीपीएस की धाराओं में अपराध पंजीबध्द किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर आरोपी से उक्त मादक पदार्थ के संबंध में विस्तृत पुछताछ कर थाना कोतवाली पुलिस टीम द्वारा उक्त गिरफ्तार आरोपी को माननीय न्यायालय में पेश किया जा रहा है।

उक्त कार्यवाही अनुविभागीय अधिकारी पुलिस मण्डला के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी निरीक्षक शफीक खान की टीम जिसमें उपनिरीक्षक सकरु सिंह धुर्वे, उप निरीक्षक प्रिति वर्मा, सउनि भुवनेश्वर वामनकर, प्रआर.पूरन इडपाचे, आरक्षक अमित गरयार, रमेश सिंगरोरे, सुन्दर भलावी, रामचंद्र, सुरेन्द्र , सुधीर, संदीप की विशेष भूमिका रहीं।

उल्लेखनीय है कि पुलिस अधीक्षक मंडला द्वारा जिला अंतर्गत अवैध शराब, गांजा, स्मैक इत्यादि अवैध मादक के कारोबार पर पूर्णतः प्रतिबंध लगाने हेतु "आपरेशन क्लीन स्वीप" चलाया जा रहा है। अभियान के तहत अवैध शराब, गांजा, स्मैक इत्यादि अवैध मादक की तस्करी/व्यापार में लिप्त व्यक्तियों की सूचना देने हेतु नारकोटिक्स हेल्पलाईन मोबाईल नम्बर 7587644166 भी जारी किया गया।

आयोजन

सूर्यकुण्ड धाम में मनाई पिकनिक और की पूजा।

वैश्य महासम्मेलन का पारिवारिक मिलन समारोह

* सबने हनुमान चालीसा पाठ और पौधारोपण किया।

हरिभूमि न्यूज >> मण्डला

मण्डला तहसील इकाई द्वारा दिनांक 27 दिसंबर, शुक्रवार को मंडला तहसील इकाई के आजीवन सदस्यों की धार्मिक एवं दर्शनीय स्थल सूर्यकुण्ड धाम में सभी सदस्य पदाधिकारी का पारिवारिक मिलन समारोह (पिकनिक) का आयोजन किया गया। सर्वप्रथम प्रसिद्ध और सिद्ध हनुमान मंदिर में सबने हनुमान चालीसा का पाठ किया तत्पश्चात उसी परिसर में सबने पौधारोपण किया उसके बाद सभी सदस्यों का परिचय हुआ और सामूहिक पारिवारिक पारंपरिक सात्विक भोजन का आनन्द लिया गया। प्रदेश अध्यक्ष का मानना है सामूहिक पारिवारिक भोजन हमेशा रिश्तों को मजबूत करने में सहायक सिद्ध होते हैं। इसलिए पिकनिक के आयोजन का बड़ा महत्व हमारे संगठन में हमेशा से रहा है। इसके बाद महिला अध्यक्ष अनीता गोयल के नेतृत्व में खेल प्रतियोगिता का आयोजन जिसमें सबने मिलकर सहभागिता की विजयी प्रथम द्वितीय और तृतीय सदस्यों को उनके द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। आज के कार्यक्रम में उपस्थित आजीवन सदस्यों को नए वर्ष 2025 का केलेंडर वितरित किया गया। पूरे कार्यक्रम के आयोजक सोमिल रावत के बेहतरीन प्रबंधन के लिए सबने तारीफ की।

मुख्य पदाधिकारी में संभाग अध्यक्ष अशोक गोयल, जिला प्रभारी सुनील अग्रवाल, जिलाध्यक्ष नितिन राय, संभाग महामंत्री रंजीत कछवाहा, मण्डला तहसील अध्यक्ष अखिलेश सोनी, बब्बल खरया, संरक्षक सुधीर कसार, विनोद गुप्ता, महिला इकाई से अनीता गोयल जी, ममता चौरसिया, रश्मि सोनी, अनीता राय, सरोज अग्रवाल, मोना जैन, श्रद्धा तपा, हेमलता जैन, श्रीमती गुप्ता, ममता सराफ, सीमा अग्रवाल आयुषी रावत एवं अन्य पदाधिकारी सदस्य सम्मिलित हुए।

कार्यालय नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला मण्डला म.प्र.

क्रमांक/स्था./2024/1114 — **विज्ञापन** — दिनांक 27/12/2024

विशेष भर्ती अभियान के तहत दिव्यांगजनों के लिये आरक्षित निम्न पदों की पूर्ति के लिये पात्र अभ्यार्थियों से संलग्न प्रारूप पर आवेदन आमंत्रित किये जाते है। आवेदन दिनांक 30/12/2024 से 15/01/2025 तक सायं 5 :00 बजे तक डाक से अथवा व्यक्तिश : नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला मण्डला के कार्यालय में प्रस्तुत किये जा सकते है।

क्र.	पद का नाम	पद की श्रेणी	वेतनमान	आरक्षित वर्गवार रिक्तियां				निर्धारित याग्यता
				दृष्टिबाधित और कमदृष्टि	बहरे और कम सुनने वाले	लोकोमीटर डिसेबिलिटी जिसमें सम्मिलित है सेरेब्रल पाल्सी, कुष्ठ रोग मुक्त, बौनापन, एसिड अटेकपीडित मस्कुलर डिस्ट्राफी	ऑटिज्म, बौद्धिक दिव्यांगता,स्पेसिफिक लर्निंग डिसेबिलिटी और मानसिक बीमारी और बहुविकलांगता	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1	सफाई संरक्षक (संविदा भर्ती)	चतुर्थ	मनदेय 8000	0	01	0	0	पंचवीं उत्तीर्ण (एक वर्ष का अनुभव सहित)

मुख्य शर्तेः- भर्ती से संबंधित अन्य जानकारी निकाय की वेबसाइट कलेक्टर कार्यालय / जिला पंचायत कार्यालय / निकाय के सूचना पटल पर देखी जा सकती है।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद बम्हनी बंजर जिला

खबर संक्षेप

प्रतिबंध के बाद भी खेतों में धड़ल्ले से जलाई जा रहा रही नरवाई, पर्यावरण को पहुंच रही क्षति

सांईखेड़ा। किसानों द्वारा अपने खेतों से फसल काटने के उपरांत शेष रहने वाले नरवाई में आग लगाते हुये उसे साफ करने का जो रवैया चल रहा है वह निश्चित तौर से पर्यावरण के लिये क्षति पहुंचाने से नही चूक रहा है। इसी बात को ध्यान में रखते हुये बीते हुये माह जिला कलेक्टर दंड अधिकारी द्वारा संपूर्ण जिले में किसानों को खेतों में फसल के बाद शेष बचने वाले नरवाई को जलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। मगर प्रतिबंध के बावजूद भी जिस प्रकार से क्षेत्र के किसानों द्वारा अपने खेतों में धान फसल की नरवाई को धड़ल्ले से जलाते हुये देखा जा रहा है उससे यह अनुमान लगने से नही चूक रहा है कि शायद जिला दंड अधिकारी का आदेश मात्र कागजों तक ही सीमित होकर रहे गया है? जबकि आदेश की सच्चाई पर गौर किया जावे तो इस कृत्य को रोकने के लिये क्षेत्र के राजस्व विभाग से लेकर कृषि विभाग के अधिकारियों सहित पुलिस प्रशासन को नजर रखने के आदेश जारी किये गये थें, मगर इन विभागों के अधिकारियों द्वारा की जाने वाले अनदेखी व उदासीनता का परिणाम है कि क्षेत्र के किसानों द्वारा अपनी धान फसल को काटने के बाद खेतों को साफ करने के लिये पलारीनुमा धान की नरवाई को धड़ल्ले से जलाते हुये पर्यावरण को क्षति पहुंचाने से नही चूक रहे है।

कभी, ज्वार मक्का की रोटी थी गरीबों का भोजन?

बारहाबड़ा। पूर्व में किसानों को अच्छे दाम नहीं मिलने के कारण एक तरफ क्षेत्र में ज्वार मक्का का रकबा घटने के बाद नाम मात्र हो चुका है। मगर वहीं दूसरी ओर जब उसके लाभकारी गुणों से लोग अवगत हुये और पता चला कि इसमें पौष्टिक मात्र होने के साथ साथ शरीर के लिये स्वास्थ्य बनाने में अहिम होने के कारण इसकी रोटी के स्वाद के कद्रदानों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। इसी का परिणाम है कि ज्वार आज बैठकी बाजारों में 80 से लेकर 100 रुपया किलो तक बिकते हुये देखा जा रही है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो एक जमाना था जब ज्वार मक्का की रोटी को गरीब वर्ग का ही भोजन कहा जाता था। लेकिन आज स्थिति बिल्कुल विपरीत हो गई है,जिस तरह से बाजारों से ज्वार, मक्का लुप्त हो रहा है इसका मुख्य कारण है कि किसानों ने इनकी पैदावार लेने में कमी कर दी है। क्योंकि बाजारों में उन्हें इनका कम दाम मिलता था और ज्वार की पूछ परख कम होने के कारण किसानों द्वारा इसको लगाना बंद कर दिया गया है। इस संबंध में हरिभूमि को एक बुजुर्ग कृषक ने बताया कि कुछ वर्षों पूर्व ज्वार की पैदावार के कारण किसानों का रूझान ज्वार की खेती की तरफ ज्यादा था इसलिए गेहूँ की जगह ज्वार की रोटियां ही खाई जाती थीं और उस समय गेहूँ की रोटियां सिर्फ संपन्न घरों में ही बनती थीं। लेकिन समय के साथ ही गेहूँ का उत्पादन बढ़ा और मक्का एवं ज्वार के रेट कम मिलने से इनका उत्पादन कम हो गया है। इसलिए हालात बदले और जिस ज्वार मक्का को गरीबों का भोजन कहा जाता था वह अब अमीरों का शौंक हो गया है।

नियम विरूद्ध होने के बाद प्रशासन की चुप्पी के चलते हर वर्ष सड़क दुर्घटनाओं में जाती है लोगों की जान, आमजन की जिन्दगी के साथ खिलवाड़ करने वालों को संरक्षण क्यों...?

परिवहन विभाग द्वारा इस तरह डबल ट्राली के ट्रेक्टरों की मनमानी को नजरअंदाज किया जाना खड़े कर रहा सवाल

गाडरवारा। जहां एक ओर आये दिन आरटीओ से लेकर पुलिस अधिकारियों को छोटे मोटे वाहन चालकों को यातायात नियमों का पाठ पढ़ाते हुये उनके खिलाफ कार्यवाही करने में कोई कसर नही छोड़ी जाती है। मगर क्षेत्र की सड़को जिस तरह खुलेआम नियमों को दर किनार करते हुये एक ट्रेक्टर में डबल ट्राली का उपयोग करने वालों को को परिवहन विभाग के अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जा रहा है वह चर्चा का विषय बनने के साथ साथ सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? बीते हुये दिवस परिवहन विभाग द्वारा नियमों के विरूद्व दौड़ रहे डम्फरों से लेकर अन्य हाईवों के खिलाफ कार्यवाही की गई उसकी चारों ओर सरहना होने से नही चूक रही है। मगर खुलेआम नियमों को दर किनार करते हुये बाहर से आये हुये डबल ट्रेक्टर ट्रालियों को नजर अंदाज करना चर्चा का विषय बनने से नही चूक रहा है..? यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो यह ट्रेक्टर कोई किसानों के नही होते है यह तो दूसरे प्रांत से आये हुये उन लोगों के होते है जो अपने निजी स्वार्थ व डीजल बचाने के चक्कर में धड़ल्ले से नियमों को दर किनार करते हुये लोगों की जिन्दगी के साथ खिलबाड़ करते हुये देखे जाने के बाद भी इनकी मनमानी को अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जाना निश्चित तौर से संरक्षण की मुद्रा की ओर संकेत देने से नही चूक रहा है..? क्योंकि प्रतिवर्ष देखा जाता है कि गन्ना सीजन शुरू होते ही क्षेत्र की सड़को पर गन्ना ढोने वाली डबल ट्रालियों की धमाचौकड़ी शुरू हो जाती है जो इस समय भी देखने मिल रही है। इस तरह एक ट्रेक्टर में डबल ट्राली लगाना जहां यातायात नियमों के खिलाफ माना जाता है। मगर इसके बाद भी परिवहन विभाग से लेकर पुलिस सहित अन्य जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस सच्चाई को नजर अंदाज किया जा रहा है वह निश्चित तौर एक बड़े खतरे की ओर संकेत देते हुये जान पड़ रहा है। क्षेत्र की सड़को पर डबल ट्राली लगाकर चलने की सच्चाई पर गौर किया जावे तो बीते हुये वर्षों में डबल ट्रालियों के संचालन से क्षेत्र में अनेक घटनाएं घटित होते हुये देखी जा चुकी है जिसमें जहां अनेक लोगों को अपनी जिन्दगी गबाने के लिये मजबूर होना पड़ा है या फिर घटनाओं के शिकार होकर अपनी अपंगता के चलते उनका जीना दुभर होने से नही बच पाया है। कुछ इसी तरह का इस वर्ष पुनः देखने मिलना शुरू हो चुका है? इस समय क्षेत्र की सड़को पर बाहर से आये हुए लोगों द्वारा अपने स्वार्थ व कमाई के चलते खुलेआम यातायात नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुये डबल ट्रालियों का उपयोग करते हुए लोगों की जिन्दगी को खतरे में डालने से नही चूक रहे है। ज्ञात हो कि बीते हुये वर्षों में क्षेत्र के लोगों द्वारा इसका विरोध किया गया था तो उस समय यहां पर तैनात रहे कर्तव्य निष्ठ पुलिस से लेकर अन्य जिम्मेदार अधिकारियों ने इस तरह डबल ट्रालियों के संचालन पर तुरंत रोक लगवाते हुये सख्त कार्यवाही की गई थी, जिससे सड़क दुर्घटनाओं पर काफी हद तक अंकुश लग गया था। मगर इस साल इस सच्चाई को अधिकारियों द्वारा नजर अंदाज किया जाना यह प्रतीत होने से नही चूक रहा है कि मानों इन लोगों को आमजन की जिन्दगी से खिलबाड़ करने की पूर्णरूप से छूट प्रदान कर दी गई है...? शायद इसी का परिणाम में है कि क्षेत्र की सड़कों पर यातायात नियमों के विपरीत डबल ट्रालियाँ लगाकर दौड़ाने वालों के हौसले बुलंद होना शुरू हो चुके है। जबकि देखा जावे तो पूर्व के वर्षों में जिले से लेकर तहसील स्तर पर बैठे हुये जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा इस तरह की मनमानियों को गंभीरता से लेते हुये इस तरह नियम विरूद्ध दौड़ने वाले डबल ट्राली ट्रेक्टरों के संचालन पर कार्यवाही करते हुये रोक लगाई गई थी। यदि सच्चाई पर नजर डाली जावे तो इन दिनों बाहर से आये हुए लोगों के हौसले इतने बुलंद नजर आ रहे है कि वह नगर सहित गाडरवारा, सांईखेड़ा सहित क्षेत्र की सड़कों पर खुलेआम एक ट्रेक्टर में डबल ट्रालियों का उपयोग करते हुए देखे दिखाई दे रहे है और परिवहन विभाग अपनी आंखे बंद किये हुये जान पड़ रहा है..? क्षेत्र के गाडरवारा, सांईखेड़ा, सालीचौका, चीचली, कौड़िया, बोहानी, सिहोरा, खुलरी, पलोहा, बारहाबड़ा सहित संपूर्ण क्षेत्र में बाहर से आये हुए लोगों द्वारा अपने स्वार्थ व कमाई के चलते खुलेआम एक ट्रेक्टर में गन्ने से भरी हुई डबल ट्राली लगाते हुए सड़कों पर दौड़ाने से नही चूक रहे है जो यातायात नियमों की धज्जियाँ उड़ाते हुये आम लोगों की जिन्दगी के लिये खतरा पैदा बनते हुये देखे जा रहे है..? इस संबंध में जब क्षेत्र के जागरूक लोगों से चर्चा की गई थी तो उनका कहना है कि यह बात सत्य है कि एक ट्रेक्टर में डबल ट्राली लगाकर उनका उपयोग करना पूर्णरूप से नियम के विरूद्व है इतना ही नही इस प्रकार से डबल ट्रालियों के चलते आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा होने से नही चूकता है। वही दूसरी ओर कानून के जानकारों का कहना है कि किसी वाहन में अपने निर्धारित मापदंडो के अतिरिक्त उसका संचालन किया जाता है तो वह निश्चित ही नियम विरूद्व माना जाता है और इस प्रकार से एक ट्रेक्टर में डबल ट्राली लगाकर परिवहन करना गलत तथा इससे आम लोगों की जिन्दगी के लिए खतरा पैदा होने की बात से इंकार नही किया जा सकता है? यदि समय रहते हुये यदि प्रशासन द्वारा इस प्रकार से क्षेत्र की सड़को पर दौड़ रहे नियम विरूद्व डबल ट्रालियों के खिलाफ मुहिम शुरू नही की गई तो निश्चित क्षेत्र में सड़क दुर्घटनाएं घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है?

कुछ साल पहले पंचातयों द्वारा लाखों रूपया खर्च करते हुये हरियाली उत्सव के नाम रौपे गये पौधों का हाल खोजो तो जाने

सालीचौका। राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गांरटी योजना के तहत क्षेत्रवासियों की उम्मीद थी कि इस योजना के तहत बीते हुये वर्षो में प्रत्येक ग्राम पंचायत मे लगाए गये पेड़ों से क्षेत्र हरित जिले मे स्थान पा सकेगा, लेकिन आलम यह है कि लगाए गए पेड़ तों गायब ही है साथ ही उनके लिए, बने प्लेट फार्म भी लगभग गायब होते जा रहे है, जिस कारण क्षेत्रवासियों का यह समना ग्राम पंचायतों के पिछली पंचवर्षीय कार्यकाल के दौरान सरपंच, सचिवों एवं योजना को लागू करने वाले अधिकारी एवं उपयात्रियों की मनमानी की भेंट चढ़ गया है। जानकारी अनुसार क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों में वर्तमान समय तक बमुश्किल पचास प्रतिशत भी पेड़ सुरक्षित नही है। वही दूसरी और क्षेत्र की अधिकतर ग्राम पंचायतों का हाल यह है कि लगभग सारे पेड़ सूख चुके है और उनके लिए बनाए गए, प्लेट फार्म टूटकर विखरने लगे है। उल्लेखनीय है कि बीते हुये वर्षो में क्षेत्र की प्रत्येक ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों को काम देने और हरियाली बढ़ाने के उद्देश्य से बड़ी संख्या मे पेड़ लगाए गए थे जिसके लिए करोड़ो रूपये का बजट खर्च किया गया है। इस योजना के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत मे वृक्षारोपण, वृक्षों की सुरक्षा एवं सिंचाई पर लगभग लाखो रूपये की राशि खर्च की गई है। लेकिन इस खर्च का कोई मतलब नही दिखाई दे रहा है? बीते हुए वर्षो में इस योजना के अंतर्गत की अनेक ग्राम पंचायतों मे पौधें लगाने के लिए, राशि उपलब्ध कराई गई थी, लेकिन ट्री गार्ड के निर्माण कार्यो में अनेकों ग्राम पंचायतो मे अनियमितता बरती गई है? जिसका जीता जागता उदाहरण जनपद पंचायत चीचली, सांईखेड़ा व चावरपाठा की अनेक ग्राम पंचायतों में जाकर देखा जा सकता है। हैरत की बात तो यह है कि क्षेत्र के आला अधिकारी भी इस विषय की जानकारी रखते हुये भी इस ओर कड़े कदम उठाने की बजाय चुप्पी साधें हुये है, क्षेत्र मे जहां कहीं भी हरियाली महोत्सव के नाम राशि को खर्च किया गया था। वही यह योजना दम तोड़ चुकी नजर आ रही है। काबिल गौर है कि रोजगार गांरटी योजना के तहत मजदूरों को काम मुहैया कराने व विकास के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की गई थी। लेकिन जहां कही भी यह योजना हर वर्ष हरियाली महोत्सव के नाम पर चलाई गई वहां परिणाम केवल कागजों मे सिमट कर रह गए है। वही दूसरी ओर ग्राम पंचायतों का भ्रमण किया जावे तो वहां की वस्तु स्थिति कुछ अलग बयां कर रही है कि ट्री गार्ड तो निर्माण करवाये गए थें। लेकिन पौधे तैयार नही हो सके,क्षेत्र की अनेक ग्राम पंचायतों मे जाकर देखा जाए तो ट्री गार्ड के नाम पर इस राशि का बंदरबाट जमकर किया गया है? वही कुछ पंचायतों में तो ट्री गार्ड के नाम से राशि निकालकर पौधों के चारो ओर बेसर्म की बाड़ी लगा दी गई थी, जिससे पैसा की जगह बेसर्म तैयार हो गई है। पूर्व के पंचायती राज कार्यकाल के समय मे रहे सरपंच और सचिव तथा अधिकारियों की मिली भगत दिखाई दे रही है, इसके लिए समूचा प्रशासन तंत्र व ग्राम पंचायत के जन प्रतिनिधियों की अनियमितताएं खुले रूप मे उजागर हो रही है? विभिन्न ग्राम पंचायतों के विगत पंचवर्षीय मे सरपंच, सचिव व अधिकारियों की इस घोर अनियमितता के चलते क्षेत्रवासियों का हरित क्रांति का सपना अधूरा रह गया है।

क्षेत्र में धूम्रपान के नाम पर विदेशी माल की सप्लाई खड़े कर रही सवाल, इसकी चपेट में युवा पीढ़ी के आने से हो रहे बर्बाद...

हरिभूमि न्यूज/गाडरवारा। इस समय जिस प्रकार से म.प्र. शासन के आदेश पर पूरे प्रदेश में शुद्ध के लिये युद्ध मुहिम चलाते हुये जहां खाद्य विभाग द्वारा लगातार छापेमार कार्यवाही की जा रही है। वही दूसरी ओर मादक पदार्थो के अवैध कारोबार को लेकर भी मुहिम चलते हुये देखी जाने के बाद भी क्षेत्र में विदेशी सिगरेटों का आसानी से उपलब्ध होना सबाल खड़े करने से नही चूक रहा है..? वही गौर किया जावे तो अधिकारियों द्वारा शासकीय चिकित्सालय व शासकीय शिक्षण संस्थाओं की 100 मीटर के अंदर आने वाली परधी में तम्बाखू युक्त सामग्री विक्री पर अंकुश लगाने के लिये बीते हुये कुछ साल पहले शासन प्रशासन को कोटपा एक्ट के तहत कार्यवाही करते हुये देखा गया था? मगर प्रशासन द्वारा की जाने वाली इस कार्यवाही के दौरान जिस प्रकार से अधिकारियों द्वारा जिस सच्चाई को नजर अंदाज किया जा रहा है उसे लेकर संपूर्ण शासन प्रशासन की कार्य प्रणाली पर सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि शुद्ध के लिये युद्ध मुहिम पर की जाने वाली कार्यवाही तो ठीक है, मगर नगर सहित क्षेत्र के अनेक दुकानों पर इस प्रकार की सामग्री भी धड़ल्ले से बिकते हुये देखी जा रही है जो नियम विरूद्व होने के साथ साथ युवाओं की जिन्दगी को बर्बाद करने से नही चूक रही है..? बताया जाता है कि इस समय नगर सहित क्षेत्र की अनेक पान दुकानों सहित अन्य सामग्री की दुकानों पर जिस प्रकार से विदेशी सिगरेटों की बिक्री होते हुये देखी जा रही है वह नियम विरूद्व बताई जा रही है। क्योंकि किसी भी विदेशी माल का विक्रय करने के लिये अनेक प्रकार के मापदंडो का पालन करना जरूरी होता है, मगर इसके बाद भी नगर सहित क्षेत्र में धड़ल्ले से इस प्रकार विदेशी सिगरेटों की भरमार देखने मिल रही है, जिसके चलते विदेशी सिगरेटों की लत के आदि हो चुके युवा अपना शोक पूर्ण करने के चक्कर में इन महंगी सिगरेटों के चक्कर में अपनी जिन्दगी बर्बाद करने के साथ साथ लुटने से भी नही चूक रहे है? अब सबाल यह पैदा हो रहा है कि क्या नगर में इस प्रकार से पान दुकानों सहित अन्य दुकानों पर इस प्रकार से विदेशी माल विक्रय करने की अनुमति प्रदान की गई है जिसके चलते यह धड़ल्ले से इस प्रकार विदेशी सिगरेटों का विक्रय करते हुये देखे जा रहे है? वही दूसरी ओर यदि सच्चाई पर गौर किया जावे तो सबाल यह भी पैदा होने से नही चूक रहा है कि विदेशी सिगरेटों के नाम पर अनेक ब्रांडो की यह सिगरेटे क्या सही रूप से उसी ब्रांड की होती है जिसके नाम पर विक्रय की जा रही है, या फिर विदेशी व ब्रांड के नाम पर मात्र युवाओं की जिन्दगी बर्बाद करते हुये उनकी जेबों पर डाका ही डालने का कार्य किया जा रहा है अब सच्चाई जो भी हो उसे तो भगवान ही जाने? मगर नगर में धड़ल्ले से विक्रय होते हुये देखी जा रही इन विदेशी सिगरेटों की सच्चाई को लेकर जिस प्रकार से प्रशासन द्वारा चुप्पी साधी जा रही है उसके चलते प्रशासन द्वारा चलाये जा रहे शुद्ध के लिये युद्ध पर अपने आप ही सबाल खड़े होने से नही चूक पा रहे है? क्योंकि खाद्य सामग्री से अधिक इस प्रकार से विदेशी ब्रांडों के नाम पर विक्रय होने वाले यह सिगरेटे जहरीली साबित होने से नही चूक रही है जो निश्चित तौर से मानव जीवन पर विपरित असर डालते हुये दिखाई दे रही है, वही दूसरी ओर उनका निर्धारित ब्रांड के नाम पर कहा तक सही है इस बात का भी किसी को पता नही होने के बाद भी प्रशासन द्वारा कार्यवाही को लेकर नजर अंदाज किया जाना विता जनक सच्चाई को उजागर करते हुये दिखाई देने लगा है?

रेत ढोने वाले ओवर लोडिंग डंपर की मनमानी से घटित हो सकती है बड़ी घटना

बोहानी। इस समय जिस प्रकार से क्षेत्र के नदियों में बैध व अवैध रूप से जो रेत का खनन चल रहा है उसके चलते जहां शासकीय संपदा का दोहन होते हुए तो देखा ही जा रहा है। वही दूसरी ओर क्षेत्र के नदियों का भविष्य भी पूर्णरूप से संकट में नजर आ रहा है? मगर इसके बाद भी क्षेत्र की जनता का चुप रहना चिंता के विषय बना हुआ है। वही दूसरी ओर गौर किया जावे तो क्षेत्र की सड़कों पर रेत ढोने वाले वाहनों में जिस प्रकार से ओवर लोडिंग करते हुए रेत की ढुलाई की जा रही वह आम लोगों को परेशानी का कारण बनाते हुए किसी दिन बड़ी दुर्घटना को अंजाम देने की संभावना से भी इंकार नही किया जा सकता है? इस संबंध में बताया जाता है कि गाडरवारा करेली मार्ग हो या फिर क्षेत्र के अन्य मार्गो से ढोई जा रही रेत के डम्फरों की स्थिति इस प्रकार से देखने मिलती है कि उनको इस प्रकार से भरा जाता है कि जब वह डम्फर अपनी गति से दौड़ते है तो रेत के उड़ने के कारण आसपास से गुरजने वाले छोटे वाहनों चालकों की आंखों में रेत भरने से उन्हें वाहन चलाना मुश्किल हो जाता है। वही रेत की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई देखी जा रही है कि व सड़को पर गिरन के कारण वाहन आय दिन फिसलते हुए नजर आते है। मगर इसके बाद न तो पुलिस द्वारा इस प्रकार से लोडिंग रूप से रेत लेकर दौड़ने वाले वाहनों के खिलाफ कोई कदम उठाया जा रहा है कि न परिवहन विभाग द्वारा जिसके चलते सड़को पर रेत गिरने के चलते आये दिन घटनाएं घटित होते हुये दिखाई दे रही है। इस तरह प्रशासन की उदासीनता के चलते ओवर लोडिंग वाहनों के चलते किसी दिन कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है।

इस तरह की लापरवाही देती है बड़ी घटनाओं को अंजाम, अधिकारियों की अनदेखी का परिणाम भोगती है आम जनता

चीचली। जहां एक ओर बिजली विभाग द्वारा क्षेत्र के किसानों से बिजली बिलों की बसूली को लेकर तो अपना पूरा जोश लगाया जा रहा है, मगर वही दूसरी ओर क्षेत्र के फैली बिजली लाईनों के सुधार कार्य से लेकर उनके रख रखाब में इस प्रकार की उदासीनता बरती जाती है कि जहां तहां झूलते हुए बिजली तारों से निकलने वाली आग की चिंगारियों से किसानों के खेतों में जहां खड़ी हुई फसले जलकर खाक हो जाती है या फिर बिजली से लगने वाले करेन्ट के कारण लोगों को बेमौत काल के गाल में समाने के लिए मजबूर होना पड़ता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस क्षेत्र में अनेक जगहों पर देखने मिल रही है जहां पर बिजली विभाग के उदासीनता के चलते मुख्य मार्गो पर झूलते हुए बिजली तारों की स्थिति इस प्रकार से बनी हुई है कि कभी भी कोई बड़ी घटना घटित होने की संभावना से इंकार नही किया जा सकता है? बताया जाता है कि क्षेत्र के किसानों द्वारा अपनी सुरक्षा के लिए अपने स्तर पर लकड़ी के खम्बा लगाते हुए व्यवस्था बनाई गई है जिसके चलते क्षेत्र की बिजली सिर्फ लकड़ी के खम्बों भरोसे चलते हुए जान पड़ रही है? इस बात की सच्चाई इस समय ग्रामीण क्षेत्रों में देखने मिल रही है जहां पर बताया जाता है कि किसानों के लिए बनी हुई सार्वजनिक रास्ते के ऊपर बिजली तार इस प्रकार से झूलते हुए नजर आ रहे है कि उन तारों से कभी भी कोई वाहन टकरा सकता है, इस बात की जानकारी बिजली विभाग के बड़े अधिकारियों से लेकर छोटे कर्मचारियों को होने के बाद भी किसी भी प्रकार का सुधार नही किये जाने से इस बात का अंदेशा लग रहा है कि शायद बिजली विभाग के अधिकारी क्षेत्र में कोई बड़ी घटना घटित होने का इंतजार कर रहे है?

सर्वर डाऊन रहने से परेशान हो रहे लोग, शासन की सुविधा बन रही दुविधा

सालीचौका। सरकार द्वारा भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की सोच के चलते अब सभी प्रकार के शासकीय कार्यो को आन लाइन व्यवस्था से जोड़े जा रहे है, मगर ग्रामीण क्षेत्रो में यह व्यवस्था आम लोगों के लिए सुविधा की जगह दुविधा बनने में कोई कसर नही छोड़ रही है? बताया जाता है कि इस समय जहां किसानों के अनाज खरीद कार्य करने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही अनेक योजना से लेकर छात्र छात्राओं के लिये अनेक प्रतियोगिता परीक्षाओं में भाग लेने के लिये पंजीयन व फार्म भरने का कार्य चल रहे है। वही सेवा सहकारी समितियों में अपने उपभोक्ताओं के लिए खाद्यान्न वितरण कार्य भी मशीनों के माध्यम से किया जा रहा है। जिसके चलते देखा जा रहा है कि सेवा सहकारी समितियों में प्रतिदिन अपना रजि. कराने वाली किसानों की भीड़ लग रही है। मगर यहां पर आये दिन सर्वर डाऊन होने के कारण किसानों के रजि. नही हो पाने की स्थिति में उन्हें खाली हाथ अपने घरों को लौटने के लिए मजबूर होते हुए देखा जा रहा है? कुछ इसी प्रकार की स्थिति उन ग्रामीणों की भी देखने मिल रही है जो सेवा सहकारी समिति में जब वह अपना खाद्यान्न लेने पहुंचते है तो वहां पर अनेक लोगों के पी ओ एस मशीन में फिंगर प्रिंट मेल नही खाने के कारण उनकी पर्ची नही मिलकर पा रही है। इस प्रकार से शासन द्वारा अच्छी सोच के चलते शुरू की गई यह सुविधा अब किसानों के साथ साथ आम लोगों के लिए दुविधा साबित होने में कोई कसर नही छोड़ रही है? वही दूसरी ओर इस तरह से सर्वर में आ रही तकनीकी खराबी के चलते यहां पर कार्य करने वाले लोगों को आम उपभोक्ताओं के कोप का शिकार होना पड़ रहा है, जिसके चलते हितग्राही व सोसाईटी में कार्य करने वाले लोगों का कहना है कि सर्वर डाऊन और फिंगर की समस्या के लिए वैकल्पिक व्यवस्था होना चाहिए जिससे सभी लोगों को आसानी से शासन की योजनाओं का लाभ मिल सके मगर ऐसा नही हो पाने की स्थिति में लगातार ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को परेशान होते हुये देखा जा रहा है। इस समस्या के निदान की ओर न तो अधिकारी ध्यान देते हुये जान पड़ रहे है और नही क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिधि?

बालश्रम कानून का नहीं हो रहा पालन, यह योजना मात्र कागजों तक ही सीमित होकर रह गई?

हरिभूमि न्यूज/ गाडरवारा। शासन द्वारा बाल मजदूरी रोकने जारी निर्देशो का पालन कराने में जहां जिला प्रशासन नाकाम रहा है वही बाल श्रमिकों के उत्थान हेतु चलाई जा रही योजनाओं का लाभ भी संबंधितों को नही मिल पा रहा है। जबकि पूर्व में कारखाना अधिनियम 1948, खदान अधिनियम 1952 जहाज अधिनियम 1958, वृक्षारोपण अधिनियम 1961 तथा मोटर परिवहन श्रम अधिनियम के अंतर्गत 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को किसी भी प्रकार के कारखानों एवं खदानों, मोटर यातायात आदि पर काम में लगाना वर्जित है, वही हर वर्ष एक मई को मजदूर दिवस मनाया जाता है, मगर आजादी के बाद भी बाल श्रमिकों को किसी भी श्रमिक संगठन को याद नहीं आई, जिन बच्चों के हाथ में किताब कापी होना चाहिए उन्हे पेट भरने के लिए कचरा बीनना, सिर पर लकड़ी का गट्ठा ढोना, होटलो में कम प्लेट धोना आदि नियति बन चुकी है, जिले मे तमाम बाल श्रमिकों की तादात लगातार बढ़ती जा रही है, इसके बावजूद भी जिले के श्रमिक कार्यालय मे बच्चों के सही आंकड़े तक मौजूद नही है, इस तरह गरीबी व अज्ञानता के चलते आज भी इस प्रकार से हजारों बच्चों का स्कूल से नाता जुड़ नही पाया है। उन्हे दो वक्त की रोटी जुटाने के लिए स्वयं कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है,शासन द्वारा जहां साक्षरता का अलख जगाने के लिए गांव गांव मे स्कूल खोले गये है तथा बच्चों को मेहनत मजदूरी से अलग रखा गया है फिर भी गरीबी के चलते बच्चे सरस्वती के वरदान से वंचित है। ग्रामीण अंचलो मे भोर मे उठना कुल्हाड़ी लेकर जंगल जाना लकड़ी काटना,भैस, गाय, बकरी चराना और रूपये कमाना जिंदगी बन गई है, शासन द्वारा करोड़ो की योजनाओं के बाद भी इन बेसहारा बच्चों के रहन सहन मे कोई बदलाब नही आ सका। इनका भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है, गरीबी और भुखमरी के चलते इन बच्चों के माता पिता चाहकर भी शिक्षा दीक्षा न दिलाकर मजदूरी करवाने को विवश है? क्या करे गरीबी अभिशाप बन गई है बच्चों का सहारा लेना जरूरी भी और मजबूरी भी बन गया है।

इस सच्चाई की अनदेखी बन सकती है बड़ी घटना का कारण

सांईखेड़ा। अक्सर देखा जाता है कि जब कोई बड़ी घटना घटित हो जाती है उसके बाद प्रशासन की आंखे खुलती है तब तक निश्चित ही किसी के घर का दीपक बुझ चुका होता है, यदि प्रशासन द्वारा समय रहते ही उस सच्चाई पर ध्यान दे दिया जावे तो निश्चित ही इस प्रकार की घटनाओं को रोका जा सकता है? कुछ इसी प्रकार की सच्चाई इस समय जनपद पंचायत सांईखेड़ा के अंतर्गत ग्राम सिरसिरी में देखने मिली जहां पर बताया जाता है कि ग्राम सिरसिरी शासकीय ग्राम पंचायत भवन पास बनी हुई पानी टंकी की स्थिति इस प्रकार से देखी जा रही है कि जहां इस टंकी के ऊपर जाने वाले सिड़ी पर रूप से असुरक्षा के बीच खुली पड़ी हुई है, वही दूसरी ओर इन सिड़ियों पर किसी भी प्रकार की रैलिंग भी नही लगी हुई है, इस स्थिति में यहां पर आने वाले मासूम बच्चों को आये दिन इस टंकी की सिड़ियों पर चढ़ते हुये देखा जाता है, जिसके चलते यह अनुमान लगने से नही बच पा रहा है कि असुरक्षा के बीच खड़ी हुई यह पानी की टंकी किसी दिन बड़ी घटना का कारण बनने से नही चूक पायेगी? मगर प्रशासन के अधिकारियों द्वारा जिस प्रकार से इस सच्चाई को नजर अंदाज किया जा रहा है उससे अनुमान लग रहा है कि शायद बड़ी घटना का जन्म होने के बाद ही अधिकारियों की कुम्भकर्णी निंद्रा भंग होगी।

सड़कों पर घूमने वाले पशुओं की ओर प्रशासन द्वारा नहीं दिया जा रहा कोई ध्यान, आये दिन घटित हो रही दुर्घटनायें

गाडरवारा। लोग अपने घरों में दूध खाने के लिए जिस प्रकार से पालते है, मगर उनकी देख रेख करने की जगह नगरवासियों को परेशानी शानी पैदा करने छोड़ देते है? पशु मालिक दूध निकालकर दुधारू पशु को अपने घर से डण्डा मारकर बाहर निकाल देते है, शाम होते ही शहर के मुख्य मार्गो में आवारा पशुओं का जमघट लगा रहता है, जिसके चलते आए दिन लोग दुर्घना के शिकार हो रहे है,आववरा पशुओं का इन दिनो सड़कों में जाम लगना आम बात हो गई है लोग जाम से तंग आ चुके है, इन जानवरो को हटाये जाने न तो प्रशास गंभीर दिख रहा है और न ही पशु मालिक इस प्रकार की सच्चाई के चलते आम नागरिको को काफी कठिनायों का सामना करना पड़ रहा है शहर के प्रमुख स्थान पलोटन गंज,रेल्वे स्टेशन रोड़, झंडाचौक, पुरानी गल्लामंडी, राठी तिराहा, आममांग नाका, नया बस स्टेन्ड सहित अनेक स्थानों पर यह मवेशी अपना डेरा जमाये आये दिन हादसो को भी आमंत्रित करते रहते है। इस तरह बेपरवाह पालक शहर की सड़को पर आवारा घूम रहे इन जानवरो के पालक पूरी तरह से बेपरवाह बने रहते है, दुधारू जानवरो का दूध निकालने के बाद पशु पालक इन्हे सड़को पर खुल्ला छोड़ देते है ऐसे में ये जानवर सड़को पर पहुंच कर अपना डेरा जमा लेते है, कभी कभी तो यह देखने मिलता है कि इन आवारा जानवरों की वजह से गंभीर हादसे भी घटित हो जाते है? इन आवारा पशुओं का प्रशासन द्वारा हटाये जाने किसी भी प्रकार के प्रयास नही किये जा रहे है और न ही पशु पालकों के खिलाफ कोई कार्यवाही जिसके कारण पशु पालकों के हौसले बुलंद होते जा रहे है? जिसके कारण आम लोगों की जिन्दगी को खतरा उत्तपन्न होता जा रहा है।

खबर संक्षेप

पेसा महोत्सव दिवस पर ग्राम पंचायत बरौदी माल में कार्यक्रम आयोजित

शहपुरा – ग्राम पंचायत बरौदी माल, जनपद पंचायत शहपुरा, जिला डिंडोरी में पेसा महोत्सव दिवस का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत भगवान बिरसा मुंडा जी को पुष्पगुच्छ एवं माल्यार्पण कर की गई। इसके पश्चात पेसा अधिनियम 1996 एवं अनुसूचित क्षेत्रों पर विस्तार नियम 2022 के तहत 29 महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई।

चर्चा के मुख्य बिंदु:. ग्राम सभा की शक्तियां, ग्राम सभा के सचिव की भूमिका, ग्राम सभा के निर्णयों का क्रियान्वयन पेसा समिति के कार्य:शांति एवं विवाद निवारण,भूमि प्रबंधन,जन संसाधन एवं लघु जल संभर प्रबंधन,खान एवं खनिज मादक पदार्थ नियंत्रण,वनों पर अधिकार,मेलों एवं बाजारों पर नियंत्रण खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का भी हुआ आयोजन पेसा दिवस के उपलक्ष्य में खेलकूद और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। इनमें रंगोली प्रतियोगिता, दौड़, खो-खो, और निबंध लेखन जैसी गतिविधियां शामिल थीं। प्रतिभागियों को प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने पर पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया।इस कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सरपंच श्रीमती सिया धुर्वे, सचिव नारद सिंह मरावी, पेसा मोबाइलाइजर रामजी झरिया, पेसा एक्ट अध्यक्ष मुन्ना सिंह, GRS मुकेश साहू, हायर सेकेंडरी प्रधानाध्यापक कुलस्ते सर, दुर्गा परस्ते, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता लक्ष्मीबाई, और अन्य अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं ग्रामवासी उपस्थित रहे।कार्यक्रम का उद्देश्य ग्रामीणों को पेसा अधिनियम की जानकारी देना, ग्राम सभा की शक्तियों का महत्व समझाना और सामुदायिक संसाधनों के प्रबंधन को सुदृढ़ बनाना था।

सामुदायिक स्वच्छता परिसर में वर्षो से लटक रहा ताला

डिंडौरी न्यूज़। स्वच्छ भारत अभियान के तहत गांव गांव में लाखो रुपये की लागत से सामुदायिक स्वच्छता परिसर का निर्माण कार्य कराये गए हैं, जिससे ग्रामीणों को खुले में शौच से मुक्ति मिल सके, साथ ही गांव में स्वच्छता का वातावरण निर्मित हो लेकिन अधिकांश ग्राम पंचायतों में बने स्वच्छता परिसर महज शोपीस बन कर रह गए हैं।ऐसा ही मामला अमरपुर जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत बिलासर में सामने आया है, ग्राम पंचायत द्वारा स्वच्छता परिसर में वर्षो से ताला लगा कर स्वच्छता परिसर बंद रखा जा रहा है, जिससे ग्रामीण जन सामुदायिक शौचालय के उपयोग से वंचित हैं, वही ग्रामीणों ने बताया कि गाँव में सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजन के दौरान भी शौचालय में ताला लटका रहता है, जिससे आमजन खुले में शौच करने पर विवश हैं। गाँव के राघवेंद्र राजपूत का कहना है कि निर्मित शौचालय को नियमित रूप से संचालित किया जाए जिससे शासन की स्वच्छता की मंशा अनुसार गांव गंदगी मुक्त हो सके।

ग्राम पंचायत भवन का किया वर्चुअल भूमिपूजन

गोरखपुर। पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी के 100 जयंती के अवसर पर अटल ग्राम सुशासन भवन (पंचायत भवन)का भूमिपूजन का वर्चुअल माध्यम खजुराहो से हुआ जिसमें से देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री प्रहलाद पटेल की गरिमामई उपस्थिति में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग मध्य प्रदेश शासन के दिशा निर्देश पर प्रदेश में 1153 अटल ग्राम सुशासन भवन (पंचायत भवन) का भूमि पूजन किया गया इसमें डिंडोरी जिला के करंजिया विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मोहतरा में अटल ग्राम सुशासन भवन (पंचायत भवन) भूमिपूजन का आयोजन किया गया ।

भाजपा जिलाध्यक्ष पद के लिए दो दर्जन नेताओं ने पेश की दावेदारी

प्रदेश संगठन जल्द कर सकता है जिला अध्यक्ष की घोषणा

राय शुमारी के दौरान भाजपा कार्यालय में दिनभर रहा गहमा गहमी का माहौल

डिंडोरी । भाजपा जिला कार्यालय में शुक्रवार सुबह से ही पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की सरगर्मी दिखाई दी। मौका था जिला अध्यक्ष पद पर अंतिम मोहर लगने का। इस हेतु पार्टी कार्यालय में शुक्रवार को रायशुमारी होना था। जिसके चलते जिले भर के पार्टी कार्यकर्ता,अध्यक्ष पद के दावेदार और उनके समर्थक पार्टी कार्यालय के आसपास सक्रिय रहे। प्राप्त जानकारी के अनुसार प्रदेश संगठन द्वारा डिंडोरी जिला अध्यक्ष पद के चुनाव हेतु ब्रजेश गौतम, पूर्व जिला अध्यक्ष अनूपपुर, वर्तमान में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य को निर्वाचन अधिकारी नियुक्त किया गया था, बतौर पर्वेक्षक लता ऐलकर, बालाघाट, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष महिला मोर्चा को चुनाव संपन्न कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार शुक्रवार को जिला भाजपा कार्यालय में पार्टी की निर्वाचन नीति के अनुसार जिला अध्यक्ष पद के लिए रायषुमारी हुई ।प्राप्त जानकारी के अनुसार पार्टी के निर्देशानुसार सांसद, विधायक, मंडल अध्यक्ष व पार्टी द्वारा नियुक्त मंडल प्रतिनिधियों से अध्यक्ष पद के लिए रायशुमारी होनी थी। प्रदेश संगठन से नियुक्त चुनाव अधिकारी द्वारा पार्टी संगठन को रिपोर्ट सौंपी जाएगी जिसके आधार पर प्रदेश संगठन द्वारा जिला अध्यक्ष की नियुक्त की जाएगी। बताया जाता है कि यदि सब कुछ ठीक ठाक रहा और आगे की प्रक्रिया शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो जाती है तो जिला अध्यक्ष की घोषणा एक दो दिन में हो सकती है। रायशुमारी के दौरान जिला भाजपा कार्यालय में जिले भर के कार्यकर्ताओं पदाधिकारियों की भीड़ लगी रही वही जिले के तमाम वरिष्ठ पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि भी भाजपा कार्यालय में चल रही चुनावी प्रक्रिया के बीच उपस्थित रहे।

किसके हाथ होगी कमान

जिला अध्यक्ष पद के दावेदारों की लंबी लिस्ट चर्चा में रही है। जिसमें तीन पूर्व जिलाध्यक्षों की भी दावेदारी बताई जा रही थी। लेकिन इस बीच कई तरह की चर्चाएं व्याप्त रही जिसके आधार पर दोबारा अध्यक्ष बनाए जाने, रिपीट किए जाने और 60 वर्ष से अधिक उम्र का अध्यक्ष नहीं बनाए जाने, हर जिले से एक महिला का नाम भेजे जाने की चर्चा कार्यकर्ताओं के बीच है। इस आधार पर डिंडोरी जिला अध्यक्ष पद के कई दावेदारों के नाम हटाकर कर अंतिम मुकाबला अब कुछ नामों के बीच देखा जा रहा है। वर्तमान में जिलाध्यक्ष रहे अवधराज बिलैया ने अल्पावधि कार्यकाल में संगठन को मजबूत करने के लिए कड़ी मेहनत की है जिसका परिणाम विधानसभा एवं लोकसभा चुनाव के नतीजों में देखने को मिला था, जिलाध्यक्ष की रेस में नरेन्द्र राजपूत, दिलीप ताम्रकार, दीपन खंपरिया, दशरथ सिंह राठौर, जयसिंह राजपूत, समेत आदिवासी चेहरा में महेष धूमकेती के नाम की चर्चा प्रमुख रूप से है , वही महिला दावेदारों की बात की जाए तो ज्योति प्रकाश धुर्वे सबसे प्रबल दावेदार मानी जा रही है ,इसके अलावा कीर्ति गुप्ता और सपना जैन के नाम पर भी सियासी गलियारों में चर्चा हो रही है ।

काले हिरणों से किसानों की बढ़ी मुसीबत, खडी फसल को कर रहे नष्ट

हिरणों से नष्ट फसल का किसानों को नहीं मिल रहा मुआवजा

संरक्षण के अभाव में काले हिरणों के अस्तित्व में खतरा

डिण्डौरी- अमरकंटक रोड़ स्थित कारोपानी गांव के आस पास नैसर्गिक तौर पर सैकड़ों की तादात में रहने वाले कृष्ण मृग के रख रखाव और सुरक्षा को लेकर वन विभाग पर सवालिया निषान लग रहे है। कृष्ण मृग के इलाके में रहने से संरक्षित क्षेत्र माना जाता है लेकिन बाऊंड्रीबाल और चारा की व्यवस्था नही होने से इनका संरक्षण भगवान भरोसे है और इसका खामियाजा किसानों को अपनी फसल नुकसान के तौर पर उठाना पड़ रहा है। यह सिलसिला पिछले कई वर्षो से जारी है। कारोपानी , खरगहना, बुधगांव, चरखुटिया सहित आसपास के गांव के किसानों की सैकडो एकड की फसल को काले हिरण निषाना बनाते आ रहे है। लेकिन इन किसानों को वन विभाग या राजस्व से कभी कोई क्षतिपूर्ति राषि नही मिली है। किसानों ने वन विभाग , कलेक्टर , मुख्यमंत्री सहित प्रधान मंत्री तक को कृष्ण मृग की सुरक्षा और इनसे हो रही फसलों की नुकसानी के लिए पत्र लिख चुके है। लेकिन अब तक मृगों के संरक्षण और किसानों को नष्ट हुई फसल का मुआवजा नही मिला है। ग्रामींणों की माने तो इलाके में सैकड़ों की तादात में रह रहे कृष्ण मृग उनकी खेतों में खड़ी फसल को चंद मिंटो में चट कर जाते है और किसानों की साल भर की मेहनत में पानी फेर देते है। आलम यह है कि रवी और खरीफ की फसलों को काटकर घर ले जाने से पहले हिरण निवाला बना लेते है। लगातार हो रही फसल नुकसानी से किसान तंग आ चुके है और अब उनके सामने परिवार के भरण पोषण की चिंता सताने लगी है। इस सबके बावजूद भी किसान काले हिरणों को किसी भी प्रकार का नुकसान नही पहुंचाते। लिहाजा इनकी सुरक्षा को लेकर चिंतित रहते है और स्वान सहित षिकारियों से इनकी सुरक्षा को लेकर सतर्कता बरतते है लेकिन वन विभाग द्वारा इनके संरक्षण को लेकर कोई ठोस कदम नही उठाये जा रहे है। कुछ सालो पूर्व मृगों की पेयजल उपलब्धता के लिए औपचारिकता के तौर पर तालाब का निर्माण कराया गया था और फैंसिग के लिए लाखो रूपये खर्च करने की बात सामने आयी थी लेकिन मौके में ऐसा कोई काम दिखाई नही देता जिससे यह कहा जा सके कि मृगों के चारा और रख रखाव के लिए प्रषासनिक पहल की गई हो । इन काले हिरणों से पहुंच रहा किसानों को नुकसान की भरपाई नही होने से कृषकों में आक्रोष देखा जा रहा है । विगत दिन खरगहना निवासी कृषक संतोष राजपूत ने कलेक्टर के नाम दिये आवेदन में उल्लेख किया है कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी काले हिरणों की संख्या अधिक होने के कारण रवी की खडी फसल को चरकर नष्ट कर दिये है। जिससे किसानों को भारी क्षति का सामना करना पडेगा । किसान कर्ज लेकर खेतों में फसल लगाता है लेकिन हिरणों के द्वारा फसल नष्ट होने के कारण कर्ज के बोझ में दबता जाता है लगातार हो रही फसल नुकसानी से जीवन यापन का भी संकट खडा हो गया है। हिरणों के रख रखाव के लिए पिछले 20 वर्षो से बाऊंड्री और फैंसिंग की मांग की जा रही है लेकिन अब तक वन विभाग द्वारा कोई कदम नही उठाया गया जिसका खामियाजा किसानों को उठाना पड़ रहा है। पीडित किसान ने मांग किया है कि हिरणों की हिफाजत के लिए उचित प्रबंध किये जाये साथ ही किसानों को मुआवजा का भी वितरण किया जाये।

किराना दुकान में चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले गिरफ्तार

किराना सामग्री सहित नगदी बरामद

नगर के नर्मदागंज ईलाके में चोरी की वारदात को दिये थे अंजाम

डिण्डौरी-कोतवाली थाना अंतर्गत नर्मदा गंज राठौर धर्मषाला के पास संचालित किराना दुकान में बुधवार और गुरूवार की दरमियांनी रात अज्ञात चोरों ने शटर का ताला तोडकर नगदी समेत किराना सामान की चोरी को अंजाम दिया था। जिसकी षिकायत पीडित दुकानदार ने कोतवाली पुलिस में दर्ज कराया था । षिकायत के बाद पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर पतासाजी शुरू की और चोरों को पकडने के लिए अपने मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया । जिसके बाद पुलिस को चोरी की वारदात को अंजाम देने वाले चोरों की सूचना मिली जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी की नगर के सुबखार और नर्मदा गंज इलाके से चोरी की घटना को अंजाम देने वाले चार चोरों को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। चोरी की वारदात में एक बाल अपचारी सहित चार आरोपी है । जिसमें पुलिस ने तीन आरोपियो को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू की और इनके कब्जे से 13 हजार 380 रूपये नगद और 8 हजार 660 रूपये की किराना सामग्री बरामद की है। फरियादी राजकुमार राठौर पिता सीताराम राठौर उम्र 40 साल निवासी ग्राम खिरसारी थाना डिण्डौरी ने कोतवाली में गुरूवार को षिकायत दर्ज कराया था कि नर्मदा गंज राठौर धर्मषाला के पास किराना दुकान चलाता हूँ । बुधवार की रात लगभग 11 बजे दुकान बंद करके अपने घर खिरसारी चला गया था । गुरूवार सुबह लगभग 7 बजे दुकान खोलने नर्मदागंज आया तो देखा कि दुकान की शटर का ताला टूटा हुआ था । दुकान के अंदर देखा तो दुकान का सारा समान बिखरा हुआ था । चैक करने पर दुकान में रखा सामान चॉकलेट, बिस्किट, तेल, चावल, शैम्पू, सिगरेट बिडी, गुलाब जल, गुटखा पाऊच सहित अन्य सामाग्री कीमत लगभग 14 हजार एवं काऊंटर में रखा नगदी 31 हजार रूपये कोई अज्ञात चोर मेरी किराना दुकान का ताला तोडकर ले गया है। फरियादी की रिर्पोट पर पुलिस ने धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत अज्ञात चोर के विरूद्ध मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी और चोरों की पतासाजी शुरू की। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर वार्ड क्रं.2 सुबखार थाना कोतवाली से तीरथ शाह उद्दे पिता बलदेवंसिह उद्दे उम्र 19 साल निवासी ग्राम अतरिया थाना डिण्डौरी , शनि उर्फ प्रिंस पिता मंगलंसिह उम्र 19 साल निवासी वार्ड नं. 9 डिण्डौरी, और षिवम नामदेव पिता सुरेन्द्र नामदेव उम्र 20 साल निवासी वार्ड नं. 7 चैहान मोहल्ला डिण्डौरी को हिरासत में लिया गया जिनसे पूछताछ के बाद चोरी करना स्वीकार किया गया और इनके कब्जे से चोरी की गई किराना सामग्री सहित नगदी बरामद किया गया जिनके विरूद्ध कार्यवाई के बाद न्यायालय में पेष किया गया है। कार्यवाई में सहायक उपनिरीक्षक अखिलेष श्रीवास, प्रधान आरक्षक हनुमानसिंह आरक्षक नरेष उइके, आरक्षक रामसिंह और आरक्षक विषाल शामिल रहे ।

वाईएफसी मंडला को 5 विकेट से मात देकर मेकल मंडला फाइनल में प्रवेश

अमरपुर। जनपद पंचायत मुख्यालय अमरपुर में यंग स्टार स्पोर्ट्स क्लब अमरपुर के तत्वाधान में स्व. लोकमन साहू खेल मैदान में आयोजित टी 20 लेदर बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले में वाईएफसी मंडला एवं मेकल मंडला के मध्य मैच खेला गया। जिसमें वाईएफसी मंडला ने टांस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। बल्लेबाज अनुज परमार के 24 गेदों पर 4 चौके व 2 छक्कों के मदद से शानदार 35 रन के अलावा अन्ना नंदा के 2,3 रन, धर्मेंद्र के 18 रन, अदील खान के 16 रन, पुष्कर के 14 रन, जयंत के 11 एवं नितिन के 10 रनों की बदौलत 19.3 ओवर में 152 रन बनाकर कर ऑल आउट हो गई। मेकल मंडला के लिए गेंदबाजी करते हुए बसंत ठाकुर, प्रजंल सिरसाम, मोहित झावा ने 2-2 विकेट झटके वहीं आदित्य सिंह, राहुल उईके एवं शिवांशु तिवारी ने 1,1 विकेट झटके। 153 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी मेकल मंडला के बल्लेबाज मोहित झावा के 22 गेंदों पर 8 चौके व 3 छक्कों की मदद से शानदार 54 रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं आलोक साहू 18 गेंदों पर 4 चौके व 2 छक्कों की मदद से 32 रन, सिद्धार्थ पटेल 17 रन, बसंत ठाकुर 12 रन की बदौलत 13 ओवरों में 5 विकेट खोकर 154 रन बनाकर 5 विकेट से विजयश्री प्राप्त कर फाइनल में प्रवेश किया। वाईएफसी मंडला के ओर से गेंदबाजी करते हुए अन्ना नंदा, आनंद भारतीया, पुष्कर, अमन कछवाहा एवं जयंत ने 1,1 विकेट हासिल किए। मेकल मंडला के मोहित झावा को उनके 54 रनों की शानदार अर्धशतकीय पारी एवं 2 विकेट हासिल करने पर उन्हें आयोजन समिति द्वारा मैन ऑफ दा मैच का पुरस्कार दिया गया। इस सेमीफाइनल मैच के निर्णायक की भूमिका में अमजद खान एवं पुरूषोत्तम ठाकुर रहे।

शिक्षा महाकुंभ एवं शिक्षा अटल रत्न सम्मान समारोह का हुआ आयोजन

डिंडोरी।श्रद्धेय श्री अटल बिहारी वाजपेई जी के जन्म उत्सव पर बरेली जिला रायसेन में शिक्षा संदर्भ समूह के द्वारा शिक्षा महाकुंभ एवं शिक्षा अटल रत्न सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती पूजन से किया गया तत्पश्चात माननीय श्री अटल बिहारी वाजपेई एवं माननीय श्री मदन मोहन मालवीय जी के चित्र पर माल्यार्पण कर शिक्षा संदर्भ समूह पर विस्तृत चर्चा की गई। । संस्थापक एवं संरक्षक दामोदर जैन सर के द्वारा समूह के कार्य नीति पर विस्तृत चर्चा की गई। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के अध्यक्ष श्री हेमंत श्रीवास्तव जी के द्वारा माननीय शिक्षा मंत्री जी को शिक्षकों की समस्याओं से अवगत कराया गया। माननीय शिक्षा मंत्री राव उदय प्रताप जी के द्वारा शिक्षकों की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन दिया गया । कार्यक्रम में मध्य प्रदेश के सभी जिलों से शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लगभग 1000 शिक्षकों ने कार्यक्रम में हिस्सा लिया। सभी शिक्षकों को शिक्षा अटल रत्न सम्मान से विभूषित किया गया। डिंडोरी जिले से शिक्षा संदर्भ समूह की समन्वय उमा उपाध्याय, सुनीता नामदेव, विभूति बैरागी और रजनी बैरागी मैडम ने जिले का प्रतिनिधित्व कर सम्मान प्राप्त किया।

पूर्व पीएम डॉक्टर मनमोहन सिंह के निधन पर महिला कांग्रेस ने दी श्रद्धांजलि

पीएम के तौर पर डॉक्टर मनमोहन सिंह द्वारा देश के विकास और क्रांतिकारी दूरगामी निर्णय की शोकसभा में दी जानकारी

डिंडौरी न्यूज़। महिला कांग्रेस डिंड़ौरी जिलाध्यक्ष संतोषी रामजी साहू और महिला पदाधिकारियों के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह के निधन पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन जिला मुख्यालय पर रखा गया। सर्व प्रथम महिलाओं के द्वारा पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी के तैलियचित्र पर फूल माला अर्पित किया गया तत्पश्चात दो मिनट का मौन धारण कर श्रद्धांजलि दी गई। महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष ने बताया कि पूर्व प्रधानमंत्री डॉ मनमोहन सिंह जी 92 वर्ष के थे। उनका जन्म 26 सितम्बर 1932 को गाँव गाह, चकवाल ज़िला, पंजाब, भारत में हुआ था। वे भारत गणराज्य के 13 वें प्रधानमन्त्री थे। साथ ही साथ वे एक अर्थशास्त्री भी थे। लोकसभा चुनाव 2009 में मिली जीत के बाद वे जवाहरलाल नेहरू के बाद भारत के पहले ऐसे प्रधानमन्त्री बने, जिनको पाँच वर्षों का कार्यकाल सफलता पूर्वक पूरा करने के बाद लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने का अवसर मिला था। एक मुश्किल दौर में वित्त मंत्री रहे तब भारत को वैश्विक मंदी के आर्थिक संकट से उबारा था । प्रधानमंत्री के तौर पर हक़ आधारित व्यवस्था की नींव रखी सौ दिन काम का हक़ मनरेगा में, सूचना का हक़ , शिक्षा और खाद्य सुरक्षा हक़, किसान का बहत्तर हज़ार करोड़ का कर्ज माफ भूमि अधिग्रहण में उनकी सहमति और मुआवजे का हक़ वनाधिकार और वनोपज पर न्यूनतम समर्थन मूल्य घरेलू हिंसा विरोधी कानून बलात्कार पर सख्त कानून अर्थ व्यवस्था को मजबूत करते हुए 8 फिसदी विकास दर 13 करोड़ बच्चों को मध्यान भोजन, ऊर्जा क्रांति के लिए प्रयास, राजनीति में शालीनता शुचिता सहृदयता के प्रतीक थे। उनका जाना देश के लिए अपूर्णीय क्षति हैं उन्हें मैं भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ। श्रद्धांजलि सभा में ऊषा बर्मन, सबनम बेगम, रमजान बी, रोशनी, रेखा, पूनम कच्छवाहा, मालती कच्छवाहा, सरोज बेलिया, उर्मिला बनवासी, ममता बर्मन, श्यामा यादव, सरस्वती यादव उपस्थित रहीं।

थाना प्रभारी ने विद्यार्थियों के साथ किया संवाद

डिंडोरी- गत दिवस समनापुर पुलिस ने पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय निघोरी भानपुर में अध्ययनरत विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ संवाद किया। इस दौरान थाना प्रभारी कामेश धूमकेती ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ाई करने हेतु समझाएं दी।इसके साथ ही यातायात नियमों को पालन करने और वाहन चलाते समय हेलमेट पहनने की समझाइए दी गई। विद्यार्थियों को तंदुरुस्त रहने हेतु नशा से दूर रहने की नसीहत भी पुलिस ने दी है।इस दौरान साइबर फ्रॉड से बचने के लिए समझाएं दी गई और मोबाइल के दुष्प्रभाव के बारे में बताया गया।संवाद में ग्राम के गणमान्य नागरिक और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जागरण पखवाड़ा का जिला डिण्डौरी का कार्यक्रम आयोजित किया गया

डिण्डौरी- शुक्रवार को अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत के जागरण पखवाड़ा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता अरविंद भदौरिया जी प्रान्त संगठन मंत्री, अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत महाकौशल प्रान्त, अनिल अवधिया जिला अध्यक्ष अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत डिण्डौरी, निशांत प्रश्ननानी उपाध्यक्ष, नेहा साहू महिला जागरण प्रमुख, यशवंत तोमर जिला मीडिया प्रभारी, डॉ बिहारी लाल द्विवेदी प्राचार्य, डॉ बालस्वरूप द्विवेदी उप प्राचार्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ वीणापाणि की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर अतिथि स्वागत पश्चात किया गया। कार्यक्रम में मुख्यवक्ता ने अपने उद्बोधन में बताया कि अखिल भारतीय ग्राहक पंचायत की स्थापना 1974 में पूना में हुई। इस संगठन का मूल उध्देश्य ग्राहक को अपने अधिकारों के प्रति जागरूक करना एवं उसे उचित मूल्य पर अच्छी गुणवत्ता, सही नाप, विक्रय उपरांत सेवा एवं अच्छा व्यवहार दिलवाना है। इस संगठन की सबसे बड़ी उपलब्धि उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 1986 लागू करवाना रही है।भारत की अर्थव्यवस्था यदि कल्याणकारी बनानी हो तो अर्थव्यवस्था का मूलाधार जो ग्राहक है वह जागृत हो जाना चाहिए, वह प्रशिक्षित हो जाना चाहिए वह संगठित होना चाहिए। इस ग्राहक शक्ति को अर्थ व्यवहार पर, बाजार पर अंकुश के समान काम करना चाहिए। उद्यम, व्यापार, बाजार और ग्राहक शक्ति, ये शक्तियाँ यदि एकत्र आयेंगी तो शोषण से मुक्ति मिलेगी।ग्राहक पंचायत राष्ट्रोत्थान हेतु शोषणमुक्त समाज के निर्माण के लिये आर्थिक क्षेत्र में चलायी गयी एक लोकयात्रा है। यह विविध घटकों के बीच समन्वय स्थापित करने की आंदोलन नीति है। व्यापारी, उत्पादक, कर्मचारी, कृषक, विक्रेता, आदि के बीच संवाद स्थापित होकर समस्यओं का निराकरण होना चाहिये।

महिला किसानों ने शक्ति प्रदर्शन कर विशाल ट्रैक्टर रैली को लेकर भरी हुंकार

हल्दी चावल लेकर अन्याय के खिलाफ़ आवाज उठाने मजबूर है अन्नदाता,सरकार समस्या का करे समाधान

हरिभूमि न्यूज शहपुरा -किसानों का राष्ट्रीय स्तर का संघ है भारतीय किसान संघ जो किसानों के लिए लगातार आवाज़ उठाता रहता है जिससे किसानो की समस्या का समाधान हो सके है। ग्राम मरवारी,बिजौरी,सचौली, धनगाव,टिकरिया,लालपुर सहित दर्जन भर से अधिक गांव के किसानों ने आगामी विशाल ट्रैक्टर रैली को सफ़ल बनाने हल्दी चावल लेकर एक दूसरे के घर घर जाकर निमंत्रण दिए।आधारभूत समस्या को लेकर किसान वर्षो से परेशान है,नहरों का हाल बेहाल है,भ्रष्टाचार के कारण किसान परेशान है और बार बार समस्या से अवगत कराने के बाद भी सरकार कुंभकर्णी नींद में सो रही है और क्षेत्र के किसानों के प्रति संवेदनशील नहीं है।किसान चौपाल लगाकर महिला किसानों ने ग्राम बरौदा में जोरदार शक्ति प्रदर्शन किया और सरकार को घेरेंगे की रणनीति बनाई जिसमें भारतीय किसान संघ के जिम्मेदार पदाधिकारी बिहारीलाल साहू, निर्मल साहू, प्रमोद मौर्या,तेजी लाल झारिया सहित सैकड़ों महिला किसान उपस्थित रही।

खबर संक्षेप

करकबेल शैक्षणिक भ्रमण में बच्चों ने देखा प्राकृतिक सौन्दर्य

गोटेगांव के समीपवर्ती करकबेल के संस्कार पब्लिक स्कूल द्वारा बच्चों के दल को लेकर शैक्षणिक भ्रमण के लिए विगत दिवस रवाना हुआ, बच्चों ने पिकनिक स्पॉट के साथ ही नरसिंहपुर एवं जबलपुर जिले के एतिहासिक धरोहरों को देखा, शैक्षणिक भ्रमण के दल को विद्यालय के संचालक रामजी पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, बच्चों की शिक्षा के बीच उत्पन्न मानसिक तनाव को कम करने एवं एक्सपोजर विजिट की तर्ज पर विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रस्ताव पर शिक्षकों ने आपस में समन्वय बनाकर 30 बच्चों का एक दल शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना किया,शैक्षणिक भ्रमण का दल एको पॉइंट परमहंसी,बगासपुर स्थित श्री श्री बाबा श्री आश्रम से होते हुए भेडाघाट पंहुचा बच्चों ने प्रकृति की वादियों में पिकनिक मनाया और आनंदित हुए,मां त्रिपुर सुन्दरी मंदिर का अवलोकन किया टूर के संयोजक एवं विद्यालय के प्राचार्य आदित्य पटेल ने बताया ग्रामीण परिवेश के इन बच्चों को ले आकर हम सभी विद्यालय परिवार गौरवान्वित है।

राधा कृष्ण मंदिर में चोरी

तेंदूखेड़ा। विगत दिवस समीपस्थ ग्राम बंधा में स्थित श्री देव राधा कृष्ण मंदिर में बीती रात गुरुवार शुक्रवार की दरमियानी रात में मंदिर का ताला तोड़कर अज्ञात चोर भगवान के चांदी के जेवरात ले उड़े।सुबह जब मंदिर के पुजारी ने प्रतिदिन की भांति मंदिर पहुंचे तो ताला टूटा देख तत्काल गांव के लोगों को जानकारी दी एवं पुलिस थाने में आकर सूचना दी।

नगर को स्वच्छ बनाने में पिछड़ रही नपा

सफाई कर वसूली के बाद भी सेवायें सुस्त

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। नगर वासियों को नगर पालिका प्रशासन द्वारा प्रतिवर्ष सफाई कर वसूली की जाती है लेकिन सफाई व्यवस्थायें धरातल में कम नजर आती है वही न्नर पालिका प्रशासन द्वारा कागजों पर नगर को साफ स्वच्छ दर्शाने मे कोई कसर नही छोड़ी जा रही है नगर के कई वार्ड व गलियां ऐसी है जहां पर महीनों सफाई नही होती है। शहरवासियों से नगरपालिका प्रतिवर्ष कचरा शुल्क वसूलती है, परंतु इसके बदले पर्याप्त साफ-सफाई नहीं होने से लोग परेशान हैं। उल्लेखनीय है कि शासन द्वारा नगर पालिका क्षेत्र में साफ-सफाई करके कचरा उठाने के लिए दर्जनों की संख्या में कचरा वाहन उपलब्ध कराए गए। इन गाड़ियों से कचरा ढोने का शुल्क नगरपालिका प्रशासन द्वारा लिया भी जा रहा है, जो लगभग 360 रुपए वार्षिक का होता है।

सड़कों पर फैल रहा कचरा

पूर्व में जहां शहरी क्षेत्र में साफ-सफाई कामगारों से सड़क नालियों की सफाई के बाद जो कचरा उठाया जाता था, उसे मुख्य मार्ग में बने कचराघर में डाला जाता था। उसके पश्चात नगर पालिका की ट्रैक्टर ट्रालियों से कचरा भरकर सांकल रोड पर बने कचरा ट्रंच ग्राउंड में डाला जाता था। वर्तमान में कचरा ढोने वाले वाहनों से कचरा लोगों के घरों, दुकानों के सामने पहुंचकर उनसे डलवाया जा रहा है। शहरी क्षेत्र की तंग गलियों में कचरा वाहन न जाने की कारण नगर पालिका क्षेत्र के अनेकों वार्डों में सफाई न के बराबर है।नरसिंहपुर शहर में 28 वार्ड है जिसनें से अनेकों वार्डों में अनेकों क्षेत्र व मोहल्ला ऐसे है जहां सकरा रास्ता होने के चलते यहां नपा की कचरा वाहन तो नहीं जा पाते जिससें उस क्षेत्र के लोग एक स्थान पर कचरा जमा करना शुरु कर देते है।

कचरा वाहनों में नहीं है हेल्पर

मिली जानकारी के अनुसार नपा प्रशासन द्वारा वार्डों का कचरा वाहन उठाने वाला वाहन में एक हेल्पर रहेगा, जो लोगों के घरों, दुकानों से कचरा डस्टबिन को उठाकर गाड़ी में लाकर डालेगा। कुछ समय तक यह नियम लागू रहा। लेकिन नपा अपनी मनमानी पर उतारु हो गया है, अब कचरा वाहन में हेल्पर नहीं रहता और लोग गाड़ी में कचरा स्वयं जाकर डाल रहे हैं। ऐसे मोहल्लों में पुराने नरसिंहपुर का काछी मोहल्ला, बजरंग वार्ड का गुरद्वारा क्षेत्र व राम वार्ड का श्याम टाकीज क्षेत्र, मुशरान वार्ड का पटेल कॉलोनी, महारानी लक्ष्मी बाई वार्ड का भटीयाटोला सहित रेवा नगर कालोनी, बरगी कालोनी का भी अधिकांश क्षेत्रों में तंग गलियों के चलते यहां कचरा वाहन का आना असम्भव सा हो जाता है।

28 वार्डों में 9 गाड़ियां दे रही सेवायें

मिली जानकारी के अनुसार वर्तमान शहरी क्षेत्र के 28 वार्डों मे केवल 9 ही कचरा वाहन है, फिर कैसे इनमें कचरा उठाया जा रहा समझ के परे है। कुछ कचरा वाहनों के खराब होने की जानकारी भी प्राप्त हुई, लेकिन इसके बाद भी नगर पालिका अपने आप को तीन स्टार दे रही है, वर्तमान में न तो नगर पालिका में सभी वार्डों भेजने के लिए न तो पर्याप्त कचरा वाहन है और न ही कचरा वाहन में चलने वाले हेल्पर, जिससे वार्डों में जहां-तहां कचरें का आंववर शहर में अनेकों जगह देखने को मिल जाएगा, कालोनियों व वार्डों के निवासियों ने तो खाली प्लाट को देखकर वहीं कचरा फेकना शुरु कर दिया, इसके साथ ही सड़क नाली की सफाई भी वर्षों से नहीं करवाई गई, नगर पालिका प्रशासन द्वारा मुख्य मार्गों पर बने कचराघरों से ट्रैक्टर ट्राली से ढोने के लिए अलग से सफाई कामगार एवं डीजल का खर्चा हो रहा है। बहरहाल शहर की सफाई व्यवस्था जो होना चाहिए वह नहीं हो पा रही है। लेकिन आम नागरिकों से कचरे के नाम पर शुल्क जरूर लिया जा रहा है। इसके अलावा संपत्ति कर में भी अनाप-शनाप वृद्धि होने से आमजनों पर अतिरिक्त भार पड़ने लगा है।

यातायात व्यवस्था को लेकर विद्यार्थियों को किया गया जागरूक

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले मे यातायात व्यवस्था मे सुधार लाने के लिये पुलिस द्वारा निरंतर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। जिसमें स्कूली बच्चों एवं छात्राओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये जिले के सभी थाना क्षेत्रों में स्कूल, कॉलेजों के लगने एवं छूटने के समय पुलिस टीमों द्वारा रखी जा रही विशेष नजर, साथ ही पुलिस टीमों द्वारा स्कूली बच्चों एवं छात्राओं को महिला संबंधी अपराधों एवं साइबर अपराधों के प्रति जागरूक किया गया। उल्लेखनीय है कि स्कूली बच्चों एवं छात्राओं की सुरक्षा को दृष्टिगत रखते हुये जिला अंतर्गत पुलिस टीमों द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में स्कूल, कॉलेजों का भ्रमण किया जाकर स्कूली बच्चों एवं छात्राओं को घटित होने वाले अपराधों के प्रति जागरूक किया जा रहा है साथ ही असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। जिले के सभी थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा स्कूलों एवं कॉलेजों के लगने एवं छूटने के समय पुलिस टीमों द्वारा लगातार भ्रमण कर असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। साथ ही आस-पास घूमने वाले संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस टीमों द्वारा छात्राओं को गुड टच.बेड टच के संबंध में बताते हुये सतर्कता व अपराध के प्रति विरोध के लिए जागरूकता के संबंध में समझाया गया एवं पुलिस की अपराधियों के खिलाफ की जाने वाली कार्यप्रणाली से अवगत कराया साथ ही उनको जागरूक रहने हेतु समझाइश दी गयी। स्कूल एवं कॉलेजों के भ्रमण के दौरान पुलिस टीमों द्वारा महिला सुरक्षा को लेकर चलाई जा रही योजनाओं की जानकारी भी दी जा रही है।

नववर्ष पर हुड़दंग पड़ेगी महंगी

हरिभूमि न्यूज - नरसिंहपुर। जिले में नववर्ष के स्वागत जश्न में हुड़दंग करना भारी पड़ेगा पुलिस द्वारा नियम विरूद्ध वाहन चलाने वालों के चालान काटे जाएगें। आगामी नव वर्ष के दृष्टिगत दिनांक 30 व 31 दिसंबर को विशेष चेकिंग चलाएंगे जिसके तहत जिले में शराब पीकर वाहन चलाने वालों तथा यातायात के नियमों का उल्लघंन करने वालों के विरूद्ध कठोर कार्यवाही की जावेगी। पुलिस की अपील सजगता में ही सुरक्षा है, आगामी नव वर्ष के स्वागत जश्न के दौरान यातायात नियमों का पालन करे। जिले वासियों से अपील करती है कि नव वर्ष का जश्न मनाते समय इस बात का ध्यान रखे कि आपके द्वारा वाहन चालक से शहर में यातायात व्यवस्था बाधित न हो, शराब के नशे में एवं तीन सवारी वाहन न चलाएं इसकी वजह से दुर्घटनाओं की संभावना बढ जाती है।'सजगता में ही सुरक्षा है पुलिस सदैव आपकी सेवा में तत्पर।

बजट का अभाव बताकर आईटीआई में झाड़ू तक की व्यवस्था नहीं

तेंदूखेड़ा। गुणवत्ता को ताक पर निर्माण को लेकर हमेशा चर्चाओं में रहने वाली छः करोड़ से अधिक की राशि से बनीं औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था में बजट ना होने की स्थिति में नियमित रूप से साफ सफाई और फिनाइल तक की व्यवस्था नहीं हो पा रही है। स्तिथि यह बनीं हुई है कि इतने बड़े भवन में साफ सफाई को लेकर झाड़ु तक उपलब्ध ना होने के कारण जस्ट और धूल के बीच छात्रों को बैठना मजबूरी बनीं हुई है।पूरे भवन में जहां तहां जाले लग रहे हैं। लेकिन साफ सफाई को लेकर यहां पर सामग्री ही नहीं है व्यवस्था को लेकर यदि प्रबंधक से चर्चा की जाती है तो उनके पास बजट ना होने का रोना रोया जाता है।

आवासों में निजी खर्चों से मीटर लगवायें

यहां पर आई टी आई का नया भवन बनने के साथ प्रशिक्षकों को रहने के लिए आवासीय परिसर भी बनवायें गये हैं इनके निर्माण के दौरान काफी विसंगतियों के बीच बाद बाद तक खबरें सुर्खियों में आने के उपरांत ही काम करवाये गये हैं । इसके बाबजूद भी आवास परिसरों में अभी तक विद्युत मीटर तक नहीं लग पाये है। बिजली फिटिंग तो हो चुकी है लेकिन प्रबंधक ने फरमान जारी कर दिया है कि मीटर लगवाने के लिए निजी तौर पर प्रशिक्षक स्वयं ही लगवायें चूंकि बाद में यदि प्रशिक्षक यहां से स्थानांतरित होकर जायेगा तो क्या मीटर साथ ले जायेगा या फिर कोई दूसरा प्रशिक्षक स्वयं के व्यय पर लगवायेंगे।

छात्रों को बैठने नहीं है कुर्सियों की व्यवस्था

नवनिर्मित इस औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था की बड़ी ही अजीबोगरीब स्थिति बनी हुई है। नया भवन छः करोड़ से अधिक राशि से बना हुआ है और इसमें छः ट्रेडे शुरू होनी है लेकिन वर्तमान में इस भवन की गंभीर स्थिति बनी हुई है। यहां पर एक और विसंगति पूर्ण स्तिथि यह बनीं हुई है कि कोपा में प्रशिक्षण ले रहे 48 छात्रों की ट्रेड में बैठने के लिए कुर्सियों तक का टोटा बना हुआ है।टूटी हुई कुर्सियों पर छात्र छात्राएं बैठनै मजबूर बनें हुए हैं। वर्तमान में यहां पर दो ट्रेडें चल रही है इलेक्ट्रीशियन में यहां 40 छात्र छात्राएं और कोपा में 48 छात्र छात्राएं प्रशिक्षण ले रहे हैं।

परिसर में घास और झाड़ियां

एक तरफ जहां साफ सफाई के साथ स्वच्छता अभियान के चलते शासकीय भवनों परिसरों को साफ सुथरा रखना प्रत्येक प्रबंधन का दायित्व है लेकिन आई टी आई में प्रबंधन की संस्था के प्रति इच्छा शक्ति का अभाव होने के कारण भवन गंभीर स्थिति में पहुंचता चला जा रहा है। यहां पर साफ अभियान चलाये जाने की जरूरत है। संपूर्ण परिसर की घास पूस और झाड़ियों को उखाड़कर यहां पर हरि दूर्वा घास के साथ परिसर को काफी सुंदर सुविधा युक्त बनाया जा सकता है। लेकिन इसमें भी एक विसंगति पूर्ण स्तिथि यह बनीं हुई है कि जब छात्रों को ही पीने के पानी की व्यवस्था नहीं है तो पौधों और घास को कहां से पानी डालेंगे।

राखी हत्याकांड के 4 आरोपियों को आजीवन कारावास

हरिभूमि न्यूज़ - नरसिंहपुर। न्यायालय चतुर्थ अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश नरसिंहपुर श्रीमती रश्मिना चतुर्वेदी ने ग्राम राखी थाना गोटेगांव के बहुचर्चित नितिन पटेल हत्याकांड में चार आरोपियों को आजीवन कारावास की सजा से दंडित किया है। प्रकरण में मृतक नितिन पटेल के परिवार की ओर से पैरवी करने वाले अधिवक्ता ने बताया कि दिनांक 10 मई 2023 को अभियुक्तगण ने ग्राम राखी में नितिन पटेल पर प्राणघातक हमला किया था। जिससे उसकी मेडिकल कॉलेज जबलपुर में मौत हो गई थी। विचारण के दौरान 20 गवाह परीक्षित हुए। मामले में न्यायालय ने धारा 450, 148, 149, 302 भा.द.वि. का आरोप सिद्ध पाए जाने पर अभियुक्त इंद्रपाल पटेल, गोपाल पटेल, दिल्ली पटेल एवं अखिलेश पटेल को आजीवन कारावास की सजा और जुर्माना से दंडित किया है।

हीरापुर की घटना के बाद प्रशासन के साथ क्षेत्रीय लोगों के बीच बैठक

तेंदूखेड़ा विगत दिनों हीरापुर के समीप हुए सड़क हादसे के दौरान एक युवक की मौत के उपरांत दूसरे दिन रविवार को चक्काजाम आंदोलन के उपरांत प्रशासन के बीच जो समझौता हुआ था कि शीघ्र ही बैठक कर समस्याओं को निराकृत किया जायेगा उसी आधार पर तेंदूखेड़ा के अनुविभागीय कार्यालय में क्षेत्रीय लोगों की प्रशासन के साथ शुक्रवार को बैठक हुई जिसमें उपस्थित लोगों ने अपनी अपनी बात रखते हुए बताया कि सड़क आम पब्लिक के लिए है या भारी बाहनों के परिवहन के लिए । यहां पर आये दिन भारी बाहनों कंटेनरों का आना जाना बना रहता है और आये दिन दुर्घटनायें भी हुआ करती है।

तेंदूखेडा गाडरवाडा सड़क मार्ग पर एक भी सांकेतिक- साइन बोर्ड का नहीं लगे हुये हैं।सडक की भार सहने की क्षमता 14 क्यूक मीटर की है। और 22 से 23 क्युक मीटर अवर लोड चल रहा है। एन टी पी सी एवं धन लक्ष्मी जानबूझ कर अपने फायदे के लिए ओंवर लोड सड़क से निकाल रही है। जिस से सड़क खराब हो रही है। आये दिन भारी भरकम 18 से 22 चक्का ट्रेन की बोगी के बराबर डम्फर सड़क मार्ग से अनियंत्रित गति से यात्रियों कार मोटर साईकिल किसानो के ट्राली को रोंदते हुए यमराज की भांति तूफानी चाल पर नियंत्रण लगाया जाये। जीवन दायनी मां नर्मदा के प्रति लोगों की आस्था का केंद्र है। प्रत्येक अमावस्या पूर्णिमा त्यौहार विशेष पर अधिक भीड़ रहा करती है।आये दिन यहां पर जाम की स्थिति बनी रहती है। उक्त सड़क मार्ग पर आवागवन जायदा होने के कारण भारी लोडेड डम्फरों को करेली तरफ से होते हुए निकाले जाए। एन टी पी सी रेत ठेकेदार लिंक रोड़ का स्तेमाल तो कर रही है।लेकिन सड़क सुरक्षा स्थानीय पंचायतों को आवश्यक जनसुविधा की दृष्टि से सुविधाएं भी देनी चाहिए।ककरा घाट एवं पंचायतों के क्षेत्र में बजरा रेत अधिकृत रूप से घोषित नहीं है। लेकिन रेत का उठाव ठेकेदार कर रहे है। संबंधित पंचायतों को बाजरा रेत उठाव की स्वीकृति दी जाये।ककरा घाट पर बने पुलिस सहायता केंद्र को सुरक्षा की दृष्टि से तत्काल प्रभाव से शुरू किया जाये ।आये दिन पुलिस द्वारा अवैध वसूली को रोकते हुए ओबर लोड की चेकिंग की जाये।मृतक परिवार को एन टी पी सी द्वारा मुवावजा एवं परिजन को नौकरी दी जाये। सहित विभिन्न विषयों पर काफी विस्तार से चर्चा हुई।

शहर में बंदरों ने मचाया उत्पात, जिम्मेदारी से भाग रहे हैं विभाग, आम जनता परेशान

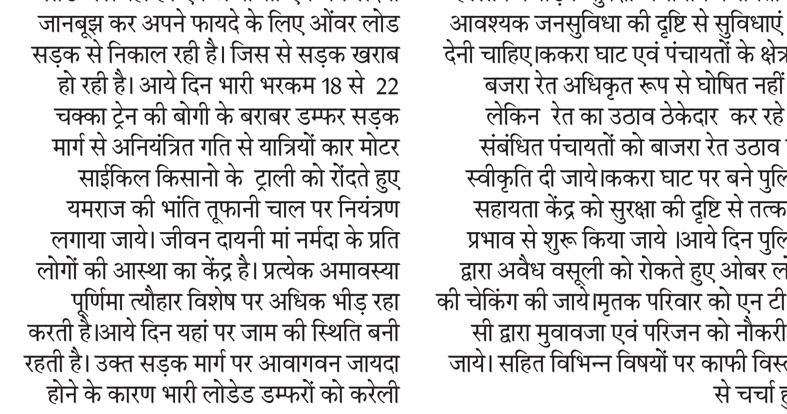

गोटेगांव। स्थानीय नगर में इस समय कई वार्डों में बंदरों ने आतंक मचा रखा है,नगर के गांधीवार्ड,बजरंग वार्ड,शास्त्री वार्ड के रहवासी इस समय बंदरों के उत्पाद मचाने से परेशान है।बंदरों का झुंड घरों के बाहर रखे सामान को नुकसान पहुंचा रहे हैं।वहीं घरों के अंदर भी घुस कर गृहस्थ सामग्री,राशन सामग्री तथा सब्जियां वगैरह अन्य वस्तुओं को खराब कर रहे हैं।

बंदर के हमले से किसानी मोहल्ला की युवती को घायल, कर दिया। वहीं विगत दिवस गांधी वार्ड में राह चलती एक महिला का बंदर ने चश्मा छुड़ाकर तोड़कर भाग गया। यह खबर कई बार अखबारों की सुर्खियां बनी परंतु संबंधित विभाग खामोश रहकर एक दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर कुंभकर्णी निद्रा में मस्त होकर कोई बड़ी अनहोनी घटना का इंतजार कर रहा है इस मामले में मौखिक रूप से भी विभाग के कुछ लोगों से हमारे संवाददाता ने कहा लेकिन हुआ वहीं ढाक के तीन पात।यह बंदर भूतेश्वर मंदिर के आसपास निवास रत हैं जो समय समय पर निकलकर लोगों का नुकसान कर परेशान कर रहे हैं।नगर के रहवासी काफी दिनों से इन बंदरों के आतंक से परेशान हैं, बंदरों के द्वारा हमला करने से नागरिक दहशत में है संबंधित विभाग उचित कार्यवाही करें।वन विभाग के अधिकारी तुरंत संज्ञान लेकर नगर की जनता को राहत पहुंचाएं।

लाल मुंह का बंदर पकड़ना हमारे अधिकार क्षेत्र से बाहर-वन विभाग

जब हमारे संवाददाता ने सूचना दी तो मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम के अधिकारी ने बताया कि 2022 के आदेश के मुताबिक राज्य वन विभाग के अनुसार वर्तमान में लाल मुंह के बंदर वन्य जीव संरक्षण अधिनियम 1972 संशोधन 2022 से बाहर है इने स्थानीय निकाय द्वारा पकड़ कर नियंत्रित छोड़ने की कार्रवाई की जा सकती है।लाल मुंह का बंदर वन्य जीव के अंतर्गत नहीं आता इसलिए वन विभाग लाल मुंह के बंदर को नहीं पड़ सकता,वन विभाग सिर्फ काले मुंह के बंदरों को पकड़ने के लिए उत्तरदायित्व है।लाल मुंह का बंदर अगर किसी नागरिक को कोई नुकसान पहुंचता है तो उसके लिए वन विभाग की जवाबदेही नहीं है और ना ही घायल होने पर किसी को मुआवजा दिया जा सकता है, परंतु काले मुंह का बंदर अगर किसी को नुकसान पहुंचता है तो उसके लिए वन विभाग द्वारा मुआवजा दिए जाने का प्रावधान है। जब हमारे संवाददाता ने इस समस्या का समाधान पूछा तो वन विभाग के अधिकारी ने बताया कि बंदरों को पकड़ने के लिए बाहर से टीम आती है उनके साथ में पिंजरा रहता है जो बंदरो को पकड़ कर जंगलों में छोड़ देते हैं परन्तु उसका खर्चा स्थानीय निकाय को वहन करना होगा इस मामले में वही नगर पालिका का कहना है कि बंदरों को पकड़ने से संबंधित आदेश हमारे पास नहीं आया है,और ना ही हमारे पास प्रशिक्षित टीम है। कुल मिलाकर दोनों विभागों की टाल-मटोल के कारण नगर की जनता घनचक्कर बन रही है और आए दिन बंदरों के उत्पात का शिकार हो रही है। नागरिकों ने जनप्रतिनिधियों से इस समस्या का समाधान कराने मांग की है।

इनका कहना है

2022 आदेश के मुताबिक लाल मुंह के बंदर पकड़ने के लिए स्थानीय निकाय को निर्देशित किया गया है इसको लेकर हम स्थानीय निकाय को लेटर जारी करेंगे

वन विभाग अधिकारी गोटेगांव

फर्राटे से दौड़ रहीं अनफिट

परिवहन विभाग की लचर व्यवस्था

लापरवाही की शिकार होती सवारियां

गोटेगांव। नगर तो क्या नरसिंहपुर जिले में खटारा और अनफिट बसों का बोलबाला कई वर्षों से चला आ रहा है जिला परिवहन विभाग की हठधर्मिता और लापरवाही के चलते नगर से चारों ओर जाने वाली बसें अनफिट होकर भी सड़कों पर बेखौफ दौड़ रही हैं परिवहन विभाग द्वारा इन बसों की जांच भी नही की जाती है यह विभाग कुंभकर्णी निद्रा में लीन है जब कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है तब यह विभाग तब यह विभाग कुंभकर्णी निद्रा से जगाता है और आनन-फानन में लीपापोती करके पुनः बसो का संचालन करने लगता है जिससे इस विभाग पर शक की सुई घूम रही है अर्थात शक की दायरे में आ रहा है।इतना ही नहीं यह विभाग खटारा बसों की तरफ ध्यान भी नहीं देता।संपूर्ण जिले में अनफिट बसों का तांता लगा हुआ है और बेधड़क सड़कों पर दौड़ती नजर आती हैं।ना ही इन एक्सपायरी बसों और ना ही जनता की जान की फिकर है। परिवहन विभाग बसों में रेट लिस्ट किलोमीटर के हिसाब से भी चस्पा कराए साथ ही अच्छी हालत की बसें ही सड़कों पर चलाने की अनुमति दी जाए जिससे कोई जन धन की हानि ना हो। मध्यप्रदेश के परिवहन मंत्री भी इस और शीघ्र ही ध्यान देकर अनफिट बसें और जनता को लुटने से बचाने के लिए कोई नियम भी लागू करें ऐसी जनता ने शासन से मांग की है।